RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-343 जयपुर, बुधवार, 10 जून 2026 मूल्य-4 रूपये

वृंदावन- बांके बिहारी मंदिर के पास मकान का छज्जा गिरा, 9 घायल

मथुरा। वृंदावन में मंगलवार शाम बांके बिहारी मंदिर के पास गली नंबर-5 में एक मकान का जर्जर छज्जा अचानक गिर गया। हादसे के समय वहां श्रद्धालुओं की भीड़ थी। छज्जा गिरने से 9 लोग घायल हो गए, जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुधीर गोस्वामी के मकान में हुआ। पड़ोसी शिवकुमार का कहना है कि छज्जे पर पहले से दरार थी। बंदर के कूदने से यह गिर गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-19 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान वे जी7 नेताओं और आमंत्रित भागीदार देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री फ्रांस में 13-14 जून (नीस) और 16-19 जून (एवियन और पेरिस) की आधिकारिक यात्रा करेंगे और बीच में 14-16 जून को स्लोवाकिया की यात्रा करेंगे।

कार में मिली बैंक मैनेजर की लाश

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में घर से लापता बैंक मैनेजर की लाश मंगलवार को एक कार में मिली। बैंक मैनेजर मुकेश सुथार (32) पुत्र बलराम सुथार, निवासी 42 एनपी रायसिंहनगर, आईडीएफसी बैंक की मीरा चौक ब्रांच, श्रीगंगानगर में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। मुकेश सुथार कल (सोमवार) दोपहर से लापता था और उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। तलाश के दौरान परिजनों ने बिहानी चिल्ड्रन्स एकेडमी स्कूल के पास हवमोर आइसक्रीम पार्लर के बाहर खड़ी उनकी कार को पहचाना। कार के शीशे तोड़कर देखने पर अंदर मुकेश का शव मिला।

जयपुर की पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग, 2 भाइयों समेत 8 की मौत

जलने के बाद सड़क पर तड़पते रहे

दिल्ली का युवक चला रहा था अवैध फैक्ट्री

जयपुर

जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह 11 बजे भीषण आग लग गई। अग्निकांड में एक बच्चे, दो भाइयों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। पटाखा फैक्ट्री मकान नंबर- 88 करीम नगर-बी में रिहायशी इलाके में चल रही थी। मकान याकूब पुत्र नजीर खान निवासी- राक्ष्या की ढाणी खोह नागोरियान का है।

याकूब ने अपना मकान फिरोज निवासी- नई दिल्ली को किराए पर दे रखा है। फिरोज मकान में अवैध रूप से शादी के पटाखों की पैकिंग करवाता था। घटना के बाद से

मकान मालिक और फैक्ट्री मालिक की तलाश की जा रही है।

मरने वालों में मोहम्मद अशरफ (40) पुत्र मोहम्मद शकील निवासी- पीरजी कॉलोनी, मोहम्मद रब्बिल (16) पुत्र मोहम्मद सिकंदर निवासी- करीम नगर-2 तलाई, अब्दुल वहीद (46) पुत्र अब्दुल अजीज निवासी- रहीम नगर, समीर खान (20) पुत्र अनिस खान निवासी- रहीम नगर, बिलाल खान (28) पुत्र नासिर निवासी- रहीम नगर, आजीम खान (18) पुत्र नासिर खान निवासी- रहीम नगर, नासिर खान (25) पुत्र मोहम्मद अली निवासी- रहीम नगर खोह नागोरियान के रहने वाले थे। एक मृतक की शिनाख्त नहीं हुई है। इनमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई थी।

आजीम और बिलाल सगे भाई थे। बिलाल आज छोटे भाई आजीम की फैक्ट्री देखने गया था, जहां आजीम काम करता था। वहां बैठकर दोनों बातचीत कर रहे थे। इस दौरान लगी आग में दोनों झुलस गए थे।

थाने से 1 किमी. दूर दो साल से चल रही थी फैक्ट्री

खोह नागोरियान थाने से 1 किलोमीटर की दूरी पर यह अवैध फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। 20 बाई 25 यानी 55.5 वर्ग गज के मकान में यह फैक्ट्री दो साल से चल रही थी। यहां पर अवैध रूप से पटाखे का गोदाम भी बना रखा था। बताया जा रहा है कि हादसे के समय फैक्ट्री में 50 किलो बारूद था। जहां अवैध पटाखा फैक्ट्री चल रही थी, यह कॉलोनी अवैध मानी जा रही है। क्षेत्र से संबंधित तहसीलदार और पटवारी से जिला प्रशासन ने रिपोर्ट मांगी है। हालांकि जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि कॉलोनी अवैध है या वैध।

पुलिस कमिश्नर बोले- दोषियों पर कार्रवाई होगी

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया- जहां हादसा हुआ, वो वहां पटाखा रखने का गोदाम था। फैक्ट्री कुछ दूर है। पूरी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रिहायशी इलाके में गोदाम अवैध रूप से था। इसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी। साह्न ओमप्रकाश ने बताया- फिरोज वसीम नाम के युवक के साथ मिलकर अवैध रूप से फैक्ट्री संचालित कर रहा था।

आग शॉर्ट सर्किट या चिंगारी से लगने की आशंका

पुलिस का कहना है कि स्न्रस्रु टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए गए हैं द्य जिसकी जांच के बाद ही फैक्ट्री में कितना विस्फोटक मौजूद था, उसका पता चल सकेगा द्य इसके साथ ही आग लगने के कारणों का भी जांच में ही पता लगेगा द्य शुरुआती जांच में आग शॉर्ट सर्किट या किसी के बिड़ी-सिगरेट जलाने की चिंगारी से लग सकती है।

कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी का नामांकन खारिज

कांग्रेस बोली-फैसले के खिलाफ कोर्ट जाएंगे

भोपाल

मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया है। बीजेपी की आपत्ति पर मंगलवार को रिटर्निंग ऑफिसर ने ये फैसला लिया है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, अब तीनों सीटों पर भाजपा कैंडिडेट निर्विरोध हैं। भाजपा का आरोप था कि मीनाक्षी ने तेलंगाना की हैदराबाद कोर्ट में लंबित एक मामले की जानकारी नामांकन पत्र में छिपाई है। पर्यवेक्षक ने कारण बताओ नोटिस जारी कर आज शाम तक जवाब मांगा था।

इधर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मीनाक्षी के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण नहीं है। उन्हें कोर्ट से केवल एक नोटिस मिला था। नामांकन रद्द होने के फैसले के खिलाफ हम अदालत जाएंगे। उधर, दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल भारत निर्वाचन आयोग के लिए पहुंचा है।

इस सबके बीच कांग्रेस अपने विधायकों को बेंगलुरु शिफ्ट कर रही थी। लेकिन मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने की जानकारी मिलते ही कांग्रेस विधायकों को लेकर जा रहा विमान रनवे से लौट आया।

इससे पहले कांग्रेस ने बाड़ाबंदी करते हुए पार्टी विधायकों को बेंगलुरू भेजने का फैसला लिया था। स्टार एयरलाइंस की चार्टर्ड फ्लाइट दोपहर करीब ढाई बजे भोपाल एयरपोर्ट पर पहुंची।

चलती गाड़ी में युवक की पीट-पीटकर हत्या

लात-घूंसों और डंडों से पीटा, सड़क पर फेंक गए

जैसलमेर

जैसलमेर में युवक को किडनैप कर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दो गाड़ियों में आए हमलावरों ने बाइक पर बैठे युवक और उसके साथी को टक्कर मार दी। फिर दोनों को किडनैप कर कैंपर गाड़ी में किडनैप कर ले गए। एक युवक को आगे उतार दिया, जबकि दूसरे को चलती गाड़ी में लात-घूंसों और डंडों से पीटते रहे। इसके बाद सोड़ा गांव के पास युवक को फेंक गए। लोगों ने गंभीर हालत में युवक को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बदमाश गाड़ी से युवक को फेंकते नजर आ रहे हैं।

घटना खुहड़ी थाना इलाके में मंगलवार दोपहर 3 बजे सोडा गांव के पास हाईवे की है। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया- मृतक की पहचान म्याजलार निवासी महावीर सिंह (22) पुत्र गोरधन सिंह के रूप में हुई है। फिलहाल नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया- महावीर सिंह अपने एक साथी के साथ बाइक पर से अपने गांव म्याजलार जा रहा था। इसी दौरान दो गाड़ियों में आए हमलावरों ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक से नीचे गिर गए। बदमाशों ने महावीर और उसके साथी को कैंपर गाड़ी में जबरदस्ती बैठाकर ले गए। रास्ते में महावीर के साथी को उतार दिया। महावीर सिंह को चलती गाड़ी में लाठी-डंडों से पीटा। हमलावार सोडा गांव के पास सड़क किनारे महावीर को फेंककर फरार हो गए।

मानसून ने 16 राज्य कवर किए, राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर

मानसून 6 दिन में 16 राज्यों तक पहुंच गया है। मंगलवार को मानसून ने पश्चिम बंगाल में एंट्री की। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60kmph रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए।

केरल और कर्नाटक में पिछले

4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं।

इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आई। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री की थी। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था। ओडिशा, छत्तीसगढ़ में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है। पश्चिमी तट पर मानसून अब मुंबई से करीब 150द्मद्व दूर है। अगले 48 घंटे में इसके मुंबई पहुंचने की संभावना है। मुंबई में मानसून के पहुंचने की सामान्य तारीख 10 जून है। दो दिन के मौसम का हाल 10 जून बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश के साथ आंधी-तूफान का अनुमान है।

कश्मीर में जोजिला टनल के दोनों छोर आपस में जुड़े

कश्मीर से लद्दाख डेढ़ घंटे की जगह 15 मिनट में पहुंचेंगे

लद्दाख

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल की खुदाई मंगलवार को पूरी हो गई। टनल के बीच 2.5 मीटर के ब्लॉक को ब्लास्ट करके हटा दिया गया। इसके साथ ही टनल के दोनों छोर आपस में जुड़ गए।

13.15 किमी लंबाई वाली यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क टनल है। जिसमें एक ही सुरंग से दोनों डायरेक्शन में गाड़ियां चल सकेंगी। यह टनल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की ऑल वैदर कनेक्टिविटी बनाए रखेगी। सुरंग को फरवरी 2028 तक चालू कर दिया जाएगा। यह सुरंग मध्य कश्मीर के बालटाल (गांदरबल) को लद्दाख के द्रास जिले के मिनीमार्ग से जोड़ेगी। इसके साथ लगभग 18km की एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है।

पहले इस हिस्से को पार करने में 1 से 1.5 घंटे लगते थे, वहीं टनल शुरू होने के बाद यह सफर करीब 15 मिनट में पूरा हो सकेगा।

टीएमसी विधायकों की शिकायत पर ममता के घर पहुंची सीआईडी

कोलकाता

टीएमसी में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को CID की टीम ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। शुरुआत में टीम को अंदर जाने से रोक दिया गया, लेकिन बाद में अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारियों ने परिसर में प्रवेश किया। टीएमसी के पूर्व सांसद सुभाषिश चक्रवर्ती ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में तलाशी की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि अभिषेक के आने

के बाद एजेंसी जांच कर सकती है।

दरअसल, पार्टी के कुछ बागी विधायकों ने स्पीकर को शिकायत भेजी थी। उनका आरोप है कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता विपक्ष बनाने के प्रस्ताव पर अभिषेक बनर्जी के लेटरहेड का इस्तेमाल किया गया और उस पर फर्जी साइन किए गए। विधायकों ने अभिषेक पर ही फर्जी दस्तखत कराने का आरोप लगाया है।

CID अधिकारियों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी के नोटिस के जवाब में बताया था कि विधायकों के हस्ताक्षर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित टीएमसी के केंद्रीय कार्यालय में जुटाए गए थे।

यह कार्यालय ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर में ही है। इसी जानकारी के आधार पर जांच टीम वहां पहुंची। इससे पहले सोमवार को CID की टीम अभिषेक बनर्जी के घर भी पहुची थी।

सीआईडी के मुताबिक, अभिषेक ने जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा था। उन्होंने एजेंसी को बताया था कि वह पहले से तय अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं, जिनमें सोमवार को INDIA ब्लॉक की बैठक शामिल है।

अवैध खनन रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला

धारदार हथियार से ACF पर वार की कोशिश

झुंझुनूं

झुंझुनूं में खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया।

पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से सरकारी बोलेरो को टक्कर मार दी। वहीं धारदार हथियार से बोलेरो में बैठे सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) पर भी वार किए। हालांकि एसीएफ बच गए, लेकिन गाड़ी का शीशा टूट गया।

घटना जिले के कालोटा गांव में सोमवार की शाम करीब साढ़े 6 बजे की है। बाबाई थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि एसीएफ कमलचंद की रिपोर्ट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर कालूराम और हमलावर मनीष पुत्र प्रहलाद फागणा को नामजद किया है। दोनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने, राजकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अवैध खनिज परिवहन का मामला दर्ज किया है।

विकसित भारत के लिए मजबूत विधायी संस्थाएं और सहभागी लोकतंत्र आवश्यक

सदनों में व्यवधान लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती: बिरला

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदनों का बार-बार बाधित होना और व्यवधान उत्पन्न होना लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समस्या का समाधान विधायी संस्थाओं के भीतर जनअपेक्षाओं के अनुरूप आचरण, संवाद और सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने में निहित है। जनता का विश्वास मजबूत करना आज सभी जनप्रतिनिधियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वे कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीज़न ज़ोन-II (नॉर्थ ज़ोन) के द्वितीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया कि विधायी संस्थानों में उनका आचरण अनुकरणीय होना चाहिए, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित किया जा सके। बिरला ने कहा, 'जैसा नेतृत्व का आचरण और व्यवहार होता है, वैसा ही समाज बनता है। जनता ने हमें चुनकर भेजा है, इसलिए हमारे आचरण का सीधा प्रभाव समाज पर पड़ता है।' उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि सभी विधायक अपने-अपने राज्यों और संस्थाओं में इन संकल्पों को आत्मसात कर आगे बढ़ेंगे।

दो दिवसीय सम्मेलन के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि विभिन्न राज्यों से आए जनप्रतिनिधियों और नीति-निर्माताओं ने यहाँ अपने अनुभव, दृष्टिकोण और नवाचार साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन चार महत्वपूर्ण संकल्पों के साथ संपन्न हुआ है, जिनका उद्देश्य विधायी संस्थाओं को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना मजबूत संसदीय और विधायी संस्थाओं पर ही आधारित है। इसके लिए जनभागीदारी बढ़ाना, तकनीक का अधिकतम उपयोग, विधायकों का क्षमता संवर्धन, नीतियों एवं कानूनों के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करना तथा संविधान एवं संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन में पारित सभी संकल्प भविष्य की एक मजबूत नींव हैं, जिनके माध्यम से देश की विधायी और लोकतांत्रिक संस्थाएँ जनता के सहयोग से आगे बढ़ेंगी।

इस दो दिवसीय सीपीए इंडिया रीज़न ज़ोन-II (नॉर्थ ज़ोन) कॉन्फ्रेंस में देश के 12 राज्यों की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें सीपीए ज़ोन-II के सदस्य राज्यों–हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली–के अतिरिक्त मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, सिक्किम और पश्चिम बंगाल जैसी अन्य राज्य विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

ट्रम्प बोले- ईरान ने होर्मुज के पास अमेरिकी हेलिकॉप्टर गिराया, इसका जवाब जरूर देंगे

उपराष्ट्रपति वेंस बोले- ईरान जंग नहीं चाहता

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी सैन्य हेलिकॉप्टर को ईरान ने गिराया था। इस घटना का जवाब जरूर दिया जाएगा। यह AH-64 अपाचे हेलिकॉप्टर था, जिसके दोनों पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इस हमले पर चुप नहीं बैठेगा। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का कहना है कि ईरान जंग नहीं चाहता और बातचीत के जरिए समाधान चाहता है।

वेंस ने कहा कि अमेरिका की प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है, लेकिन उनका मानना है कि ईरान अब युद्ध जारी रखने के बजाय समझौते की राह पर आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच जल्द एक नई डील हो सकती है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा तनाव इराक और अफगानिस्तान की तरह लंबे युद्ध में नहीं बदलेगा।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अमेरिका ईरान में लंबे समय तक नहीं फंसेगा और आने वाले समय में वहां अमेरिकी भूमिका बहुत सीमित रहेगी।

वेंस ने कहा कि अमेरिका का सबसे बड़ा मकसद सिर्फ यह है कि ईरान परमाणु हथियार न बना सके। अगर यही टारगेट रहेगा तो हालात ज्यादा नहीं बिगड़ेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर बातचीत सफल रही तो समझौता हो सकता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो राष्ट्रपति ट्रम्प के पास आगे कार्रवाई करने के दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान गिरफ्तार, नेपाल भागने की फिराक में था

-फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ सात एफआईआर दर्ज हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर से की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जहांगीर खान के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। हालांकि अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जहांगीर खान ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां दोबारा चुनाव हुए थे। दोबारा चुनाव से पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

दिल्ली-एनसीआर में फिर सताएगी भीषण गर्मी, इस हफ्ते लू और बढ़ते तापमान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के पिछले हफ्ते में आई आंधी-तूफान और बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया था, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली थी। हालांकि, दिल्ली- एनसीआर के निवासियों को एक बार फिर सूरज की तपिश और चिलचिलाती धूप का सामना करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस हफ्ते राजधानी और आसपास के इलाकों में तापमान का ग्राफ तेजी से बढ़ने वाला है। सोमवार से आसमान पूरी तरह साफ रहेगा, जिससे गर्मी का कहर और अधिक बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 8 जून से गर्मी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इस पूरे हफ्ते लोगों को तेज गर्म हवाओं और लू (हीटवेव) के थपेड़े झेलने पड़ेंगे। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब न केवल दिन के समय भीषण गर्मी रहेगी, बल्कि रातें भी लोगों को तपाने वाली हैं। पिछले दिनों हुई आंधी और बारिश का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है और मौसम शुष्क होने के कारण उमस भरी गर्मी लोगों की परेशानियां बढ़ाएगी। दिल्ली के विभिन्न इलाकों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के समय गरज-चमक की स्थिति बनने की संभावना है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं, लेकिन बारिश को लेकर कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 11 से 13 जून के आसपास एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कहीं-कहीं हल्की बारिश और आंधी आ सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होगी। इसके बाद, दिल्ली-एनसीआर में लोगों को राहत देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून 25 से 30 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। फिलहाल मानसून आने से पहले केवल छिटपुट प्री-मानसून गतिविधियां ही देखने को मिलेंगी। दूसरी ओर, वायु गुणवत्ता सूचकांक वर्तमान में 50 से 100 के बीच यानी मध्यम स्तर पर बना हुआ है, लेकिन उड़ती धूल और बढ़ती गर्मी के कारण सांस के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बेवजह घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है।

वीरप्पन से जुड़े मामले में अभिनेत्री सुकन्या को मिली बड़ी जीत

-30 साल लड़ी कानूनी लड़ाई के बाद मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'इंडियन' में काम कर चुकीं मशहूर अभिनेत्री आर. सुकन्या ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क के खिलाफ तीन दशक पुरानी मानहानि की कानूनी लड़ाई जीत ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए संबंधित टीवी नेटवर्क को आदेश दिया है कि वह अभिनेत्री को मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का भुगतान करे। यह पूरा मामला साल 1996 का है और इसका सीधा संबंध कुख्यात चंदन तस्कर व डकैत वीरप्पन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, वर्ष 1996 में इस टीवी नेटवर्क ने पत्रकार नक्कीरन आर. गोपाल द्वारा जंगल में लिए गए वीरप्पन के एक इंटरव्यू का प्रसारण किया था। इस इंटरव्यू के दौरान डकैत वीरप्पन ने अभिनेत्री सुकन्या को लेकर बेहद आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की थीं, जिन्हें चैनल ने बिना किसी कांट-छांट या संपादन (एडिट) के सीधे प्रसारित कर दिया था। सुकन्या ने आरोप लगाया था कि चैनल ने उनकी छवि को धूमिल करने और उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस आपत्तिजनक हिस्से को नहीं हटाया। इसके बाद उन्होंने 1996 में ही मद्रास उच्च न्यायालय में टीवी नेटवर्क, पत्रकार गोपाल और वीरप्पन के खिलाफ 10 लाख रुपये के हर्जाने का सिविल मुकदमा दायर किया था। बाद में इस मामले को सिटी सिविल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान टीवी नेटवर्क ने दलील दी थी कि उनका इरादा किसी को बदनाम करने का नहीं था, बल्कि पत्रकार ही उनके पास वह फुटेज लेकर आए थे। दूसरी ओर, पत्रकार गोपाल ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार चैनल के पास पूरे इंटरव्यू को संपादित करने, काटने या किसी भी हिस्से को हटाने का पूरा अधिकार था। उन्होंने चैनल को 9 घंटे की फुटेज सौंपी थी, जिसमें से चैनल ने केवल 4 घंटे का हिस्सा ही प्रसारित किया था।

राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपए गायब, कोर्ट से स्वत: संज्ञान लेने का अनुरोध

-सपा प्रमुख अखिलेश ने इस मामले में यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया है कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपए गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे योगी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है। यादव ने इस मामले में कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब हो गई है।' यादव ने पोस्ट में कहा, 'ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक की बात है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता। उन्होंने कहा कि कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।'

वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर कहा कि अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। दास ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो वह सामने आ जाएगी। अगर कोई कुकर्म हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों को उसके परिणाम भुगतने होंगे।

सपा प्रमुख ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय के जवाब पर तंज कसते हुए कहा कि 'स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है।' यादव ने कहा लगता है ये इनके लिए हर हफ़्ते की साधारण बात है, और इतनी ज्यादा साधारण है कि ये इसे अब 'उल्लेखनीय' भी नहीं मानते हैं। चेहरे के भाव और देह की हताशा और निराशा से भरी है। अखिलेश ने चंपत राय के बयान पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसी पोस्ट में कहा, '' ट्रस्ट के सभी सदस्यों को एक साथ बैठाकर स्पष्टीकरण दिया जाए और आंकड़ों के मिलान के लिए सीसीटीवी के साक्ष्य का सहारा लिया जाए। जैसे ही सारे ट्रस्टी एक साथ बैठेंगे तो सच बाहर आ जाएगा क्योंकि उनमें हर कोई एक जैसा नहीं है। इस हेराफेरी की शंका के केंद्र में जब कोई एक व्यक्ति विशेष है ही नहीं तो फिर किसी एक के स्पष्टीकरण का क्या महत्व है।

उन्होंने कहा कि ये भी स्पष्ट किया जाए कि 40 सेकंड का स्पष्टीकरण आने में इतने घंटे क्यों लगे और स्पष्टीकरण के नाम पर एक मिनट बोलना भी भारी क्यों पड़ रहा है। यूपी सरकार की चुप्पी की तरह ये सफ़ाई भी संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है जैसे स्पष्टीकरण के नाम पर शाब्दिक औपचारिकता निभाई जा रही है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज, इस बेहद कमजोर स्पष्टीकरण से और भी ज्यादा शंकित और आहत हुआ है।

मणिपुर असम राइफल्स और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प, 4 घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के न्यू हेवन गांव में रविवार को एक नई सुरक्षा चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय प्रदर्शनकारियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच तीखी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में कम से कम चार नागरिक घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना शाम करीब 4 बजे की है, जब ग्रामीणों ने न्यू हेवन इलाके में असम राइफल्स द्वारा नई चौकी बनाए जाने का विरोध करना शुरू कर दिया। स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों का आरोप है कि लंबुई गांव में तैनात असम राइफल्स के लगभग 40 जवानों ने ग्राम अधिकारियों से बिना किसी पूर्व सलाह या सहमति के इस नई चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। इसके विरोध में महिलाओं और छात्र संगठनों सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और निर्माण कार्य को तुरंत रोकने की मांग करने लगे। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। भीड़ को नियंत्रित करने के अभियान के दौरान कथित तौर पर लाठीचार्ज किया गया और हवाई फायरिंग की गई, जिससे एक छात्र संगठन के अध्यक्ष सहित चार लोग जख्मी हो गए। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि सुरक्षा बलों ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अनुपस्थिति में यह कार्रवाई की और महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी बल प्रयोग किया। इस घटना के बाद से स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने असम राइफल्स की इस नई चौकी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस एकतरफा कार्रवाई से स्थानीय जनता और सुरक्षा बलों के बीच का आपसी विश्वास टूट गया है, जिससे लोग अपनी जान और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जिला पुलिस के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन इलाके में तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में हुई हिंसक घटनाओं, विशेषकर मई महीने में हुए दोहरे हमलों के बाद से पूरे क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

हालिया संकेतों से बढ़ीं अटकलें, मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के हालिया संगठनात्मक और रणनीतिक कदमों ने इन कयासों को हवा दी है। इन कदमों में दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्य इकाइयों की अहम जिम्मेदारी सौंपना और दो अन्य को राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकित न करना शामिल है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल तब और बढ़ गई जब भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों से 11 नेताओं को नामांकित किया, लेकिन इस सूची से दो केंद्रीय मंत्रियों-रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम गायब रहा। इन दोनों मंत्रियों की राज्यसभा सदस्यता 21 जून को समाप्त हो रही है। पंजाब से कांग्रेस के पूर्व सांसद बिट्टू वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि केरल के मूल निवासी कुरियन मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण की थी। इस मंत्रिपरिषद में वर्तमान में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के दौरान भी सरकार के दो साल पूरे होने के ठीक बाद जुलाई 2016 और जुलाई 2021 में मंत्रिपरिषद का फेरबदल और विस्तार किया गया था। इस बार भी वैसा ही पैटर्न दिखने की उम्मीद जताई जा रही है। आगामी 18 जून को 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के साथ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में उपचुनाव होने हैं, जिसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 8 जून है। संवैधानिक नियमों के अनुसार, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ममता और केजरीवाल के चलते बर्बाद हुआ इंडिया गठबंधन

संजय झा ने नीतीश के यूटर्न की स्टोरी से उठाया पर्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी एकजुटता की नींव रखने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अपनी ही मेहनत से बने इंडिया गठबंधन से नाता क्यों तोड़ा, इस रहस्य से आखिरकार पर्दा हट गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष और नीतीश कुमार के बेहद करीबी राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे करते हुए गठबंधन के बिखरने की पूरी इनसाइड स्टोरी बयां की है। उन्होंने सीधे तौर पर दो बड़े विपक्षी नेताओं को इस गठबंधन के सत्यानाश के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

संजय झा ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन को व्यक्तिगत तौर पर बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि गठबंधन के भीतर यह आम सहमति बन चुकी थी कि नीतीश कुमार को इस विपक्षी मोर्चे का संयोजक बनाया जाएगा। लेकिन एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने अचानक नया दांव चल दिया। दोनों ने सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि गठबंधन का संयोजक किसी दलित चेहरे को होना चाहिए और इसके लिए उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित कदम के चलते कांग्रेस तुरंत बैकफुट पर आ गई और पूरी योजना खटाई में पड़ गई।

जेडीयू नेता ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार कभी भी किसी पद या संयोजक की कुर्सी के लिए बेचैन नहीं थे, उनका एकमात्र उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाना था। लेकिन इस गठबंधन के पास न तो कोई स्पष्ट विजन था और न ही आंतरिक एकजुटता। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को हमेशा यह महसूस होता रहा कि कांग्रेस केवल कुछ ही राज्यों में राजनीति करती है, जिससे उन्हें कोई खास फायदा नहीं था।

इंटरव्यू के दौरान जब संजय झा से मौजूदा केंद्र सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर के गठबंधन मॉडल के अंतर पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार के समय 24 दल शामिल थे, जबकि आज के दौर में आपसी संवाद का एक बेहतर सिस्टम है। उन्होंने साफ किया कि एनडीए में यदि बिहार या किसी राष्ट्रीय मुद्दे पर असहमति होती है, तो शीर्ष स्तर पर बातचीत कर उसे सुलझा लिया जाता है। महिला आरक्षण बिल जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर भी जेडीयू से सलाह ली गई थी, इसलिए पार्टी को सरकार में असहज होने जैसी कोई बात नहीं है। इसके अलावा, क्षेत्रीय पार्टियों के कमजोर होने और टूटने पर चिंता व्यक्त करते हुए संजय झा ने इसके लिए परिवारवाद को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि जेपी आंदोलन से निकले समाजवादी नेता पहले विचारधारा से शुरू हुए, फिर जाति के नेता बने और अंततः परिवार की पार्टी बनकर रह गए, जिससे उनका पतन शुरू हुआ। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार की विरासत और जेडीयू का अस्तित्व हमेशा मजबूत रहेगा क्योंकि उन्होंने कभी राजनीति को निजी संपत्ति या बैंक अकाउंट की तरह इस्तेमाल नहीं किया।

सीएम विजय महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा के लिए सिंगाप्पन फोर्स का आज करेंगे शुभारंभ

-आईपीएस अफसर भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का आईजी बनाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सिंगप्पन स्पेशल टास्क फोर्स का शुभारंभ करेंगे। यह फोर्स राज्यभर में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्थापित एक समर्पित पुलिस इकाई है। उद्घाटन समारोह मंगलवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू राजारथिनम स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। सीएम पदभार संभालने के बाद विजय द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक विशेष बल का गठन था। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल केंद्रित पुलिसिंग, त्वरित हस्तक्षेप और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का पहला आईजी नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवगठित इकाई में एक एसपी, दो उप पुलिस अधीक्षक, चार निरीक्षक और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। फोर्स को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए सरकार ने एक विशेष वर्दी पेश की है। कार्य बल से जुड़ी महिला पुलिसकर्मी और महिला सब-इंस्पेक्टर नीली कमीज के साथ खाकी पेंट पहनेंगी। उन्हें काली टोपी और काले जूते भी दिए गए हैं। उम्मीद है कि यह अनूठी वर्दी राज्यभर में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय बल को आसानी से पहचानने योग्य बनाएगी।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ मूल रूप से 29 मई को तय था और मुख्यमंत्री द्वारा उसी दिन इसका उद्घाटन किया जाना था। हालांकि, प्रशासनिक कारणों से अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को तय है, उम्मीद है कि यह विशेष बल इसके तुरंत बाद परिचालन शुरू कर देगा। चेन्नई में शुभारंभ समारोह के बाद सिंगाप्पन कर्मियों को तमिलनाडु भर में तैनात किया जाएगा और वे सभी जिलों में कार्य करना शुरू कर देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अधिक सशक्त और समन्वित कार्रवाई हेतु इस कार्य बल का गठन किया गया है।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ विजय सरकार की प्रमुख कानून-व्यवस्था पहलों में से एक माना जा रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर विशेष रूप से केंद्रित एक समर्पित इकाई का गठन करके, सरकार को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ेगा और तमिलनाडु में एक सुरक्षित वातावरण बनेगा।

लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर मरीजों को वायुसेना ने चंडीगढ़ पहुंचाया

-रेसक्यू किए गए लोगों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल

लद्दाख (एजेंसी)। वायुसेना ने मेडिकल इमरजेंसी अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस दौरान लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चंडीगढ़ पहुंचाया। रेसक्यू किए गए व्यक्तियों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद वायुसेना ने कार्रवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख से एयरलिफ्ट किए गए पांच मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, उनका एक आश्रित सदस्य, और लद्दाख का एक स्थानीय निवासी शामिल था। सभी मरीजों की स्थिति गंभीर थी और उन्हें तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की जरुरत थी। इस अभियान के लिए भारतीय वायुसेना ने अपने सी-17 और एएन-32 परिवहन विमानों का इस्तेमाल किया। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों, सीमित संसाधनों और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के बावजूद विमानों के चालक दल ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीजों को समय पर चंडीगढ़ पहुंचाया। बता दें 2026 में केवल लद्दाख सेक्टर में ही भारतीय वायुसेना के कैजुअल्टी इवैक्यूएशन अभियानों के जरिए अब तक 143 लोगों की जान बचाई जा चुकी है। यह आंकड़ा दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में वायुसेना की मानवीय सेवाओं और तत्परता का प्रमाण है। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारतीय वायुसेना ने कहा कि हर जीवन अहम है और हर आपातकालीन पुकार का जवाब देना उसका कर्तव्य है। यही भावना ऐसे चुनौतीपूर्ण अभियानों को सफल बनाने की प्रेरणा देती है। बता दें कुछ महीने पहले लद्दाख की बर्फ से ढकी खतरनाक चोटियों और दो विदेशी नागरिकों के फंसने का एक गंभीर मामला सामने आया था। यहां दो कोरियाई नागरिक 17,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई वाली चोटी पर मौजूद थे। सेना ने इस घटना का पता लगने पर बिना देरी किए रात के अंधेरे में संवेदनशील व साहसिक ऑपरेशन चलाया। यह अभियान भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर की आर्मी एविएशन यूनिट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। कड़ी मेहनत के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को बचा लिया था।

इजरायल में स्थापित होगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। इजरायल के मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा इजरायल में स्थापित करने की ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है। इस विशेष परियोजना का ऐलान शिवराज्याभिषेक दिन के गौरवशाली अवसर पर किया गया है। इजरायल के वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से सहयोग की अपील की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत और सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के अनुरूप एक शानदार स्मारक बनाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से जो मदद मांगी थी, उस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी सहमति दे दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इजरायल की धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारत और इजरायल के बीच के बेहद घनिष्ठ और मजबूत होते संबंधों का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह स्मारक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, और इस समुदाय के वंशज आज इजरायली समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए इजरायली दूतावास ने महाराष्ट्र सरकार से ऐतिहासिक संदर्भ, कलात्मक विमर्श, प्रतिमा के डिजाइन संबंधी तकनीकी सलाह और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है। इजरायली वाणिज्य दूत ने उम्मीद जताई कि इस अनूठी परियोजना को भविष्य में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है, जो दोनों देशों के नागरिकों के बीच मित्रता को और प्रगाढ़ करेगा तथा साहस, कुशल नेतृत्व व पारस्परिक सम्मान जैसे साझा मूल्यों का एक स्थायी प्रतीक बनेगा।

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की दिखेगी झलक

मुंबई में अपनी नियुक्ति के बाद से ही रेवाच ने मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास का गहन अध्ययन किया है। उन्होंने शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल एक साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि एक असाधारण और दूरदर्शी नेता थे, जिनकी सुशासन, अदम्य साहस, धार्मिक सहिष्णुता, आधुनिक नौसेना शक्ति और लोक-कल्याण की नीतियां आज भी पूरी दुनिया की पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से करीब लाने के प्रयास तेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन और तकनीक में पहले से ही मजबूत सहयोग है, लेकिन इस पहल से सांस्कृतिक संबंधों को एक नई गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन होगा।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में विशेष अभियान का व्यापक असर : नियम उल्लंघन पर कसा शिकंजा

यातायात नियमों का मखौल उड़ाने वालों पर पुलिस का बड़ा एक्शन

प्रदेशव्यापी कार्रवाई में 8,448 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई

स्मार्ट हलचल|जयपुर

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष यातायात एवं कानून पालन अभियान के तहत राजस्थान पुलिस ने आठवें दिन व्यापक कार्रवाई करते हुए 8,448 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करना तथा आमजन में जिम्मेदार वाहन संचालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

डीजी ट्रैफिक श्री अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के बारे में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ बी एल मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने वाहनों में अवैध संरचनात्मक परिवर्तन, अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर एवं स्ट्रोब लाइट, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म, वाहनों पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा नियम विरुद्ध नम्बर प्लेट लगाने जैसे उल्लंघनों पर विशेष कार्रवाई की।

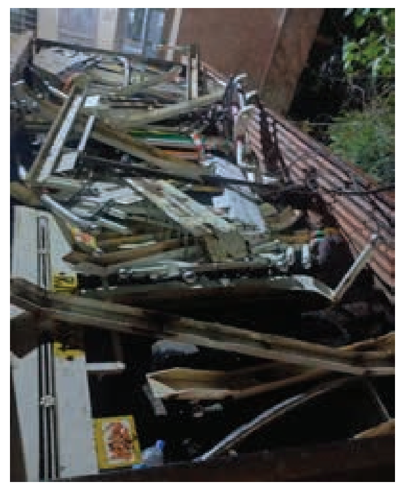

ब्लैक फिल्म और नंबर प्लेट का सबसे ज्यादा क्रेज

के विश्लेषण से साफ है कि प्रदेश में लोग सबसे ज्यादा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। पूरे राज्य में सबसे ज्यादा 3,264 कार्रवाई वाहनों के शीशों पर लगी काली फिल्म के खिलाफ की गई। नियम विरुद्ध और वीआईपी स्टाइल में नंबर प्लेट लगाने वाले 2,079 वाहन चालक पुलिस के हत्थे चढ़े। अपनी गाड़ियों पर अवैध रूप से पद, जाति या अनाधिकृत शब्द लिखवाने वाले 1,204 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई। बिना अनुमति के गाड़ी की चेसिस या बॉडी को मॉडिफाई कराने वाले 861 वाहनों पर भी डंडा चला है।

बत्तीबाज़ों और प्रेशर हॉर्न पर भी कड़ा प्रहार

सड़कों पर बेवजह रौब झाड़ने और शोर मचाने वालों को भी पुलिस ने नहीं बख्शा। राज्यभर में 544 ऐसे मामले सामने आए जहां गाड़ियों पर अनाधिकृत रूप से लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर या हूटर लगे हुए थे। वहीं, ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 496 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न के खिलाफ भी पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। पटाखे की ध्वनि करती बुलेट गाड़ियों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। अभियान में कोटा शहर सर्वाधिक 572 कार्रवाइयों के साथ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि अजमेर में 416, बाड़मेर में 340, चित्तौड़गढ़ में 311 तथा भरतपुर में 309 कार्रवाइयाँ दर्ज की गईं। वहीं भीलवाड़ा में 281, झुंझुनूं में 257, जयपुर ग्रामीण में 247 तथा उदयपुर में 215 कार्रवाई कर नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए गए। जयपुर यातायात पुलिस ने भी अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 320 मामलों में कार्रवाई की, जबकि जोधपुर ट्रैफिक पुलिस ने 180 और जयपुर ग्रामीण पुलिस ने 247 मामलों में नियम उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रखे जाएं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। राजस्थान पुलिस का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता बढ़ाकर सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करना है।

हमीरगढ़ क्षेत्र में नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़। हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या से जुड़ा माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा ने बताया की इस मामले की गहन जांच की जा रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। अभी तक आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

उप अधीक्षको की तबादला सूची जारी

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

प्रदेश में सोमवार देर रात पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल हुआ है 141 पुलिस उप अधीक्षक की तबादला सूची कार्यालय महानिदेशक पुलिस जयपुर से यह ट्रांसफर हुए है । यह आदेश अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कार्मिक) बीजू जॉर्ज जोसेफ ने जारी किए है । तबादला सूची के अनुसार प्रदेश में कई पुलिस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है । भीलवाड़ा जिले की बात करे तो नेमीचंद को भीलवाड़ा सीओ सदर बनाया है वह इससे पूर्व बीदासर जिला चुरू में तैनात थे, वही सतीश कुमार मीणा को वृताधिकारी गुलाबपुरा जयसिंह को सीओ आसींद ओर योगेश शर्मा को मांडलगढ़ के सीओ पद पर लगाया है वह कोटा प्रथम शहर से तबादला होकर आ रहे है और मनीष चारण को डिप्टी यातायात में लगाया है इसी प्रकार साइबर क्राइम डिप्टी उदय सिंह का ट्रांसफर भीलवाड़ा से गंगरार चित्तौड़गढ़ हो गया है । गुलाबपुरा सीओ जितेंद्र सिंह का तबादला कुंभलगढ़ राजसमंद में हुआ है । मांडलगढ़ के निवर्तमान वृताधिकारी बाबूलाल विश्नोई को सहायक कमांडेंट महाराणा प्रताप बटालियन आर ए सी प्रतापगढ़ भेजा है।

पीएमएसएमए के 10 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की गर्भवती महिलाओं की जांच, एफसीएम इंजेक्शन व निःशुल्क सोनोग्राफी वाउचर किए वितरित

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के सफल 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को जिलेभर के चिकित्सा संस्थानों में विशेष पीएमएसएमए शिविरों का आयोजन किया गया। व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों के साथ आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने पहुंचकर निःशुल्क विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप जिला चिकित्सालयों, जिला चिकित्सालय एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए गए। शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल व पोषण संबंधी परामर्श प्रदान

किया गया तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान कर समयबद्ध उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन लगाए गए। यह उपचार गंभीर एनीमिया से पीड़ित महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं प्रभावी है। इसके अतिरिक्त मां वाउचर योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी हेतु मां वाउचर कूपन भी जारी किए गए। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला व ब्लॉक स्तर से अधिकारियों द्वारा शिविरों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश स्वास्थ्यकार्मिकों को दिये।

जिला आरसीएच अधिकारी डॉ. अभिनव निर्वाण ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग द्वारा प्रत्येक माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया जाता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान होने वाले जोखिमों को कम करना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयोजित शिविरों में गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, ब्लड शुगर, लंबाई, एचआईवी एवं सिफिलिस, एएनसी जांच सहित विभिन्न आवश्यक जांचें की गईं। साथ ही उन्हें गर्भावस्था के दौरान स्वयं एवं गर्भस्थ शिशु की देखभाल, नियमित जांच, संस्थागत प्रसव तथा पोषणयुक्त आहार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कम हीमोग्लोबिन वाली महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में एफसीएम इंजेक्शन लगाए गए तथा अल्ट्रासाउंड जांच के लिए मां वाउचर योजना के अंतर्गत कूपन वितरित किए गए। अभियान के दौरान चिकित्सा संस्थानों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान से संबंधित प्रचार सामग्री का प्रदर्शन किया गया तथा आमजन को सुरक्षित मातृत्व, नियमित प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

बैंकों की सुस्त कार्यशैली पर कलक्टर सख्त, कमजोर वर्गों को ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश, खराब प्रदर्शन वाले बैंकों पर होगी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने समाज के कमजोर एवं महिला वर्ग को ऋण वितरण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए सभी बैंकों को इन वर्गों को प्राथमिकता के आधार पर अधिकाधिक ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचना चाहिए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को जिला कलक्टर सभागार में आयोजित मार्च-2026 तिमाही की जिला स्तरीय बैंकिंग समन्वय एवं समीक्षा समिति (डीएलसीसी) बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलक्टर संधू ने बैंक अधिकारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

जिला कलक्टर ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत 1 जून से 30 जून तक चल रहे विशेष अभियान की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है, उनके खिलाफ राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), जयपुर को पत्र भेजा जाएगा।

स्वरोजगार योजनाओं के लंबित आवेदन तुरंत निपटाने के निर्देश

बैठक में डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित आदिवासी लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, विश्वकर्मा युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना तथा प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने बैंकों में लंबित आवेदनों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

अग्रणी जिला प्रबंधक अशोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 मार्च 2026 तक जिले में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में 17,456.91 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए, जो वार्षिक लक्ष्य 17,437 करोड़ रुपये का 100.11 प्रतिशत है। जिले ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की है।

रुडसेट के प्रशिक्षित युवाओं को ऋण देने पर जोर

कलक्टर संधू ने रुडसेट संस्थान, सुवाणा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और उनसे सृजित रोजगार अवसरों की समीक्षा करते हुए विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों को जल्द स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार का अवसर मिल सकेगा।

निष्क्रिय बैंक मित्रों और री-केवाईसी पर भी सख्ती:-

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक राजीव चौधरी ने जिले में कार्यरत बैंक मित्रों की निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने फिनो पेमेंट्स बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचडीएफसी बैंक को निष्क्रिय बैंक मित्रों को सक्रिय करने अथवा उनके स्थान पर नए बैंक मित्र नियुक्त करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही विभिन्न बैंक शाखाओं में लंबित री-केवाईसी खातों का मामला भी उठाया गया। जिन बैंकों में ऐसे खाते अधिक संख्या में लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैंकिंग सेवाओं को जनहित से जोड़ने पर जोर

बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रमुख अमित टुकड़िया, राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख अजय कुमार दुग्गल, जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक के.के. मीणा, रुडसेट संस्थान के निदेशक शैलेंद्र धाकड़, राजीविका के नगेंद्र तंबोलिया, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में अमित टुकड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गंगापुर रोड पर निगम का बुलडोजर एक्शन, 100 से अधिक अतिक्रमण हटाए

नाले पर कब्जों से बाधित हो रही थी सफाई, बरसात से पहले निगम ने चलाया विशेष अभियान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मानसून से पहले शहर को जलभराव की समस्या से बचाने के लिए नगर निगम ने गंगापुर रोड पर बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए करीब 100 दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण हटाए और नाले की व्यापक सफाई कर पानी के प्रवाह को सुचारु बनाया। कार्रवाई

के दौरान अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया।

नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि गंगापुर तिराहे से शनि देव मंदिर तक नाले पर किए गए अतिक्रमणों के कारण सफाई कार्य प्रभावित हो रहा था और बरसात के दौरान जलभराव की आशंका बनी हुई थी। शिकायतों और निरीक्षण के बाद निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए नाले पर किए गए अतिक्रमण हटवाए तथा पूरे मार्ग पर नाले की सफाई करवाई।

बरसात से पहले निगम का सफाई अभियान तेज

आयुक्त चौधरी ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहरभर में नालों और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि बारिश के दौरान पानी का प्रवाह निर्बाध बना रहे और सड़कों तथा आवासीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

सख्त चेतावनी

निगम आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी नाले, नाली अथवा सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि नालों पर कब्जे न केवल सफाई व्यवस्था को प्रभावित करते हैं बल्कि बरसात में आमजन के लिए परेशानी का कारण भी बनते हैं।

गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा को मिला नेतृत्व

स्मार्ट हलचल |भीलवाड़ा

अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद जोशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से सत्यनारायण शर्मा को भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी कांतिचंद व्यास, रामपाल शर्मा, प्रभाकर चतुर्वेदी, चेतन चौबे, जगदीश चंद्र शर्मा एवं आर. एम. शर्मा सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नवमनोनीत शहर अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा का सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने

अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्हें आगामी 15 दिनों के भीतर शहर कार्यकारिणी का गठन कर घोषणा करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज हित के कार्यों को गति देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने सत्यनारायण शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

21 जून को जिले भर में मनाया जाएगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

जिला कलेक्टर ने बैठक लेकर विभिन्न विभागों को सौंपे दायित्व, सफल क्रियान्विति के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को जिलेभर में आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने मंगलवार को बैठक लेकर जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

इन विभागों को दी जिम्मेदारी

जिला पुलिस अधीक्षक एवं जिला परिवहन अधिकारी को सभी मुख्य कार्यक्रम स्थलों पर सुचारू यातायात प्रबंधन तथा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पुलिस रिजर्व बटालियन, गृह रक्षा एवं सिविल डिफेंस के कार्मिकों की योग समारोह में सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। आयुक्त नगर निगम को चित्रकूट धाम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम हेतु टेंट, मंच, साउंड सिस्टम, एलईडी वॉल, पेयजल एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा सार्वजनिक पार्कों, सामुदायिक भवनों एवं मैदानों को निःशुल्क उपलब्ध करवाने, पेयजल, अग्निशमन व्यवस्था, चल शौचालय एवं विशेष सफाई अभियान कार्यक्रम से पूर्व एवं पश्चात संचालित किए जाएंगे।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को जिले के राजकीय एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में योग दिवस कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों, महाविद्यालय एवं इंजीनियरिंग विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करे साथ ही शारीरिक शिक्षकों को योग प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित कर योग गाइड के रूप में तैनात

किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) तथा स्काउट-गाइड के स्वयंसेवकों को जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर के कार्यक्रमों में भागीदारी हेतु निर्देशित किया जाएगा। योग विषयक सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध लेखन, व्याख्यान एवं योग प्रोटोकॉल रिहर्सल का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिला एवं ब्लॉक स्तर के मुख्य कार्यक्रम स्थलों पर चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। सभी चिकित्साधिकारी, नर्सिंग स्टाफ तथा पैरामेडिकल प्रशिक्षण संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ सरकारी एवं गैर-सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद को जिला परिषद, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही स्थानीय आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मानव संसाधन एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता तथा ग्राम पंचायत बैठकों एवं अन्य आयोजनों के माध्यम से योग दिवस का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

जिला खेल अधिकारी एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन को खेल स्टेडियमों एवं मैदानों पर स्थान उपलब्ध कराने, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नेहरू युवा केंद्र के प्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स तथा स्काउट-गाइड के सदस्यों की जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग को सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं सहयोगिनियों की स्थानीय कार्यक्रमों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा स्थानीय महिलाओं को योगाभ्यास के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के समस्त उपखंड अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नगर निगम, नगर पालिका एवं पंचायत समितियों के सहयोग से योग दिवस कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्रम स्थलों पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिटी श्रीमती प्रतिभा देवतिया, जिला परिषद सीईओ श्री चंद्रभान सिंह भाटी, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक श्री महाराज सिंह सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

सर्पदंश से 9 वर्षीय बालिका की मौत

स्मार्ट हलचल

आसींद। क्षेत्र के सेमला का बोडिया गांव में एक दर्दनाक हादसे में सर्पदंश से 9 वर्षीय बालिका की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, सेमला का बोडिया निवासी हरिसिंह रावत की 9 वर्षीय पुत्री धरूपाली सोमवार शाम अपनी मां के साथ खेत पर गई थी। उसकी मां पशुओं के लिए ज्वार का चारा काट रही थी, तभी पास में मौजूद धरूपाली को अचानक एक जहरीले सांप ने काट लिया। घटना का पता चलते ही परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।

परिजन तत्काल बालिका को उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय आसींद लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे महात्मा गांधी चिकित्सालय (एमजी हॉस्पिटल) भीलवाड़ा रेफर कर दिया। परिजन उसे तुरंत भीलवाड़ा लेकर पहुंचे,

लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। बालिका के शव को एमजी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि बालिका की मृत्यु सर्पदंश के कारण हुई है तथा उन्हें किसी अन्य प्रकार की आशंका नहीं है।

मासूम धरूपाली की असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने बालिका को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

महेश प्रो कबड्डी (डे-नाईट) प्रतियोगिता का द्वितीय दिन रोमांचक मुकाबलों के नाम

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, देर रात तक दर्शकों की उमड़ी भीड़

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाडा के तत्वाधान में महेश नवमी खेलकुद महोत्सव के अंतर्गत बसंत विहार गांधीनगर क्षेत्रीय' माहेश्वरी सभा द्वारा 'प्रायोजित 'संस्कार' महेश प्रो कबड्डी (डे-नाईट) प्रतियोगिता के द्वितीय दिन रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी रहा। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। मुख्य अतिथि श्रीगोपाल राठी, केजी तोषनीवाल, सत्यनारायण डाड, राधाकृष्ण सोमानी, नंद किशोर झंवर रहे। इस अवसर पर नगर सभा अध्यक्ष अध्यक्ष केदार जागेटिया, केदार गगरानी, संयोजक अतुल राठी, सुरेश बिरला, केजी राठी, अर्चित मून्द्रडा, सुरेश कचोलिया, मनोहर अजमेरा, अभिजीत सारडा, अंकित लखोटिया तथा आरकेआरसी महिला मंडल अध्यक्ष पल्लवी लढा सहित कई गणमान्यजन मंचासीन रहे। देर रात तक चले मुकाबलों का खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 4 मेच खेले गए। प्रथम मेच बापु

नगर वर्सेस आजाद नगर, द्वितिय मेच शास्त्रीनगर वर्सेस तिलक नगर, तृतीय मेच भोपालगंज वर्सेस आरकेआरसी बी तथा चतुर्थ मेच बसंत विहार वर्सेस पुराना शहर मे हुआ। मैचों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन रेड एवं मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कई मुकाबले बेहद कांटे के रहे, जहां अंतिम क्षणों तक जीत-हार का फैसला नहीं हो सका। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से मैदान में रोमांच का माहौल बना रहा। इससे पुर्व आरकेआरसी बी व पुर के मध्य पहला मैच हुआ जिसमें आरकेआरसी बी टीम 40/38 से मैच विजेता रही। दूसरे मैच में चंद्रशेखर आजाद नगर व पुराना शहर के मध्य मैच हुआ जिसमें पुराना शहर टीम 55/31 से विजेता रही। प्रतियोगिता में मुख्य प्रभारी सुधीर बाहेती सहित राजेंद्र प्रसाद बिरला, अनिल राठी, अरविंद राठी, विपिन असावा, नवल किशोर सोमानी, विनय माहेश्वरी, हर्ष राठी, मनीष अजमेरा, निलेश सोडाणी, अंशुल ईनाणी, रचित मालू, राजेश सोमानी, परीक्षित नामधर, कुंज बिहारी चांडक का विशेष सहयोग रहा। आयोजन समिति ने बताया कि डे-नाईट प्रतियोगिता होने के कारण युवाओं एवं खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मैदान पर बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं समाजसेवियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के विकास के लिए आवश्यक बताया। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है।

चांदगढ़ में तेज रफ्तार वाहन का कहर, मकान में घुसा, गाय की मौत

स्मार्ट हलचल

आकोला। क्षेत्र के चांदगढ़ गांव में मंगलवार दोपहर बाद एक तेज रफ्तार वाहन ने जमकर कहर बरपाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बड़लियास की ओर से तेज गति से आ रही गाड़ी अनियंत्रित होकर चांदगढ़ निवासी भगवान लाल ओड के मकान से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घर के बाहर बना लोहे का छपरा क्षतिग्रस्त हो गया और टीन की चादरें नीचे गिर गईं।

हादसे के समय मकान के बाहर बैठी एक गाय वाहन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों के अनुसार वाहन चालक नशे की हालत में था। दुर्घटना में चालक भी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

सूचना मिलते ही बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर थाने पहुंचा दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए क्षेत्र में यातायात नियमों की सख्ती से पालना करवाने की मांग की है।

उमंग अभियान के तहत 4 बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त करवाया

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान पुलिस के द्वारा बाल श्रम मुक्त हेतु चलाए जा रहे उमंग 7 अभियान के तहत टंकी के बालाजी मंदिर क्षेत्र से 4 बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त करवाया गया, मुक्त करवाए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चंद्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव के समक्ष प्रस्तुत किये गये, बाल कल्याण समिति ने बच्चों को आश्रय हेतु एवरेस्ट शेल्टर में रखवाया गया।

अभियान के तहत कार्यवाही में मानव तस्करी विरोधी इकाई के ओम प्रकाश सैन उप निरीक्षक, ईश्वर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, किशन सिंह, कास्टेबल एवं जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज पतिहार के निर्देशानुसार चाइल्ड लाइन 1098 के परियोजना समन्वयक हेमंत सिंह सिसोदिया, सुपरवाइजर आनंद कुमार सुमनारिया, नवाचार संस्थान के जिला समन्वयक जितेंद्र सिंह तोमर एवं रेड एंड रेस्क्यू ऑफिसर भगवत सिंह चारण ने उक्त कार्यवाही करते हुए बच्चों भिक्षावृत्ति से मुक्त करवाया।

ग्राम पंचायत खामोर के मुख्य गेट के बाहर बिजली के तारों में लगी आग

स्मार्ट हलचल| शाहपुरा

ग्राम पंचायत खामोर के मुख्य गेट के बाहर ट्रांसफार्मर लगे विद्युत खंभे पर सोमवार शाम अचानक बिजली के तारों में आग लग गई। तारों से चिंगारियां और लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

आग की चपेट में पास स्थित डेयरी बूथ की दुकान के मीटर का वायर भी जल गया, जिससे दुकान की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई।

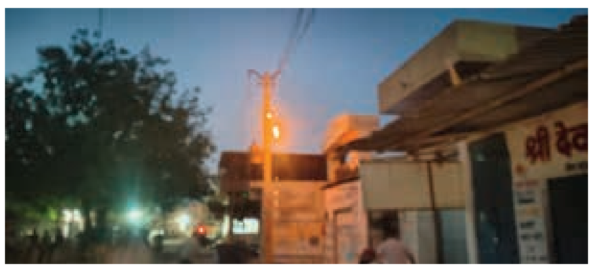

हालांकि समय रहते लोगों ने सतर्कता बरती, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त ट्रांसफार्मर पर उसकी क्षमता से अधिक विद्युत कनेक्शन जुड़े हुए हैं। इसके चलते ट्रांसफार्मर पर लगातार अधिक लोड बना रहता है और आए दिन तारों से चिंगारियां निकलने की घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एफआरटी (फॉल्ट रिपेयर टीम) का स्थानीय कर्मचारी मौके पर पहुंचा और आवश्यक सतर्कता बरतते हुए स्थिति को संभाला। इसके बाद विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित करने तथा समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई।

ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने एवं विद्युत लाइनों के रखरखाव की मांग करते हुए कहा कि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

आमल्दा-चैनपुरा माइन्स सड़क की बदहाली से ग्रामीण परेशान

स्मार्ट हलचल

आकोला। आमल्दा से चैनपुरा माइन्स तक जाने वाली करीब 4 किलोमीटर लंबी सड़क की हालत पिछले कई वर्षों से जर्जर बनी हुई है। सड़क जगह-जगह से टूट चुकी है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़क के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो माह पहले सड़क का पेचवर्क किया जिसको ठेकेदार द्वारा पूरा नहीं किया गया केवल आमल्दा चोराये से महलो का मानपुरा तक पेचवर्क कार्य किया गया , लेकिन आगे की सड़क का कार्य अधूरा छोड़ दिया।

कुछ जगह खड्डे इतने बड़े हो गए है , जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। विशेष रूप से रात के समय वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह मार्ग क्षेत्र के लगभग 8 से 10 गांवों को जोड़ता है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसी सड़क से आवागमन करते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण बाइक सवारों सहित अन्य वाहन चालकों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सड़क का निर्माण एवं मरम्मत कार्य पूरा करवाने की मांग की है।

वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में आरकेआरसी चारभुजा विजेता

महेश नवमी महोत्सवः खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन, दर्शकों में दिखा उत्साह

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा एवं आरकेआरसी विकास नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता के द्वितिय दिन मंगलवार को सुबह तीसरा मुकाबला चंद्रशेखर आजाद नगर व बापू नगर के बीच खेला गया जिसमें बापू नगर विजेता रही खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इससे पुर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच आरकेआरसी चारभुजा एवं आजाद नगर के मध्य खेला गया जिसमें आरकेआरसी चारभुजा विजेता रही, जबकि दूसरा मुकाबला भोपालगंज ए एवं भोपालगंज बी के बीच हुआ

जिसमें भोपालगंज ए विजेता रही। उद्घाटन मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। समिति द्वारा दर्शकों के लिए भरपूर गर्मी को देखते हुए अल्पाहार में ठंडाई पिलाने का कार्य किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में योगेश लढा, ओम नराणीवाल, राजेंद्र कचोलिया, अनिल बांगड़, अनिल धूत एवं नारायण लढा उपस्थित रहे। अध्यक्षता नगर सभा अध्यक्ष केदार जागेटिया ने की। इस अवसर पर नगर सभा मंत्री सुरेश बिरला, सुरेश कचोलिया, मनोहर अजमेरा, अभिजीत सारडा, नगर युवा अध्यक्ष अर्चित मूंदड़ा, युवा मंत्री अंकित लखोटिया तथा आरकेआरसी महिला मंडल अध्यक्ष पल्लवी लढा सहित कई गणमान्यजन मंचासीन रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर आरकेआरसी क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष कृष्ण गोपाल सोडाणी, कमलेश लाठी, रामपाल असावा, मुकेश बहेड़िया, अनूप समदानी, रूपलाल गगरानी, प्रशांत समदानी, पंकज समदानी, दिलीप कोगटा, नरेंद्र डाड, दिनेश राठी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

लू से बचाव हेतु समिति वितरित कर रही आयुर्वेद की अमृत धारा गोलियां

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान आयुर्वेद की अमृत धारा गोलियां लू से बचाव के लिए जगह-जगह वितरित कर रही है समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न तीन जड़ी बूटियां से बनी आयुर्वेदिक मिश्रण जिसका फार्मूला 100 साल पुराना है जिसमें पुदीना मेंथॉल सत ,अजवाइन सत, कपूर को मिक्स करके बनाया जाता है जिससे गर्मी में राहत लू से बचाव, उल्टी, सीरदर्द ,दस्तों में कारगर दवा है समिति द्वारा जगह जगह इसका वितरण कर लोगों को लू से बचाव किया जा रहा है समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी ने बताया कि 5000 से ज्यादा आयुर्वेदिक दवा का वितरण किया जा चुका है जो अपना घर वृद्ध आश्रम, आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, महात्मा गांधी चिकित्सालय परिसर ,बड़ा मंदिर क्षेत्र, भद्दादा मोहल्ला एवं आरसी व्यास के मजदूर चौराहे पर आज लू से बचाव के लिए राहगीरों एवं आम आदमी को अमृत धारा की शीशियां वितरित की गई।

गंगापुर में शोभा यात्रा के साथ सात दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। नगर में सात दिवसीय भागवत महापुराण कथा मंगलवार से शुरू हो गई है। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आयोजक गोयल परिवार के छोटूलाल माली ने बताया कि नगर के मंडी रोड़ स्थित माहेश्वरी सेवा संस्थान परिसर में मंगलवार से 15 जून तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे कथा व्यास गुरुदेव राष्टीय संत डॉ. पंडित मिथिलेश नागर (भागवत भास्कर, गुरूपीठ निनौराधाम, मध्यप्रदेश) के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का वाचन किया जाएगा। साथ ही भागवत कथा के पावन अवसर के दौरान भागवत महात्मय, नारद चरित्र, कपिल अवतार, ध्रुव चरित, भरत चरित, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, राम जन्म, कृष्ण जन्म, नंदोत्सव, कृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा, रुकमणी विवाह, सुदामा चरित्र आदि की आकर्षक एवं मनमोहन प्रस्तुतियां दी जाएगी। कथा को लेकर मंगलवार सुबह भव्य शोभायात्रा पंचतीर्थ बालाजी मंदिर से गाजे बाजे के साथ निकाली गई जो शिवरती गेट, ज्ञानजी का चौक, कुण्ड चौक, मस्जिद चौक, मुख्य बाजार, सहाड़ा चौपाटी होते हुए कथास्थल पहुंची।शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नाचते गाते साथ चल रहे थे। शोभायात्रा का कई स्थानों पर पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया वहीं नगरवासियों में इस भागवत महापुराण कथा को लेकर काफी उत्साह है। पूरा गंगापुर कस्बा भक्तिमय रंग में रंग चुका है।

बनेड़ा में आवारा सांडो का आतंक, आधा दर्जन लोग हुए घायल

प्रशासन को बार बार बताने पर भी समस्या का नहीं हुआ अब तक समाधान

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय पर जगह जगह मंडराते आवारा सांड (नदियों) के आंतक से आमजन को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। सांड द्वारा करीब आधा दर्जन के करीब लोगों को घायल कर चुके हैं। बार बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित नया बस स्टैंड क्षेत्र में मंगलवार को प्रातः दो सांड आपस में भिड गए। करीब पन्द्रह मिनट तक दोनों के आपस गुथम गुथा के मुख्य सड़क पर दोनों तरफ आने जाने

वालो कदम रुक गए। एक दो युवकों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को लकडियों की मदद से अलग अलग कर के भगाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। तथा इस बसे आदि छोटे वाहन भी रूके रहे। इनके लडने झगडने का ही आंतक नहीं है। इसके अलावा दुपहिया वाहनो के बेग में पडी खाध सामग्री पर नजर चुकते ही मुह मार लेते। इनके आंतक से दुकानदारों के साथ ही फल फ्रुट के थेले वाले सब्जी बैचने वाली महिलाओं भी काफी परेशान हैं। साथ ही राह चलते राहगीरों पर भी हमला करने से नहीं चुक रहे हैं। ये आवारा सांड। सोमवार तड़के आपस में भिड रहे दोनों सांडो मे से एक साड ऐसा भी है। जो कि करीब आधा दर्जन के करीब लोगों को घायल कर चुका है। वही माताजी का खेडा क्षेत्र में भी एक एक काले सांड ने आंतक मचा रखा है। मगर फिर भी नाही तो नगर पालिका ना ही प्रशासन के द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

कई क्षेत्रों में आज रहेगी विद्युत आपूर्ति बंद

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के कई प्रमुख आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में बुधवार 10 जून को चार घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। विद्युत वितरण निगम की ओर से आवश्यक रखरखाव एवं तकनीकी कार्यों के चलते सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

सहायक अभियंता (पवस-प्रथम) राम मिलन यादव ने बताया कि निर्धारित शटडाउन के दौरान काशीपुरी, वकील कॉलोनी, साबुन मार्ग, हरिजन बस्ती, सांवरिया बस्ती, विट्ठी स्कूल क्षेत्र, रहमानियां एग्रो, द ग्रीन्स, ओम वाटिका तथा आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

निगम अधिकारियों ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें, ताकि बिजली बंद रहने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

बालयोगी बलरामपुरी महाराज के सान्निध्य में यात्रा मांडलगढ़ से रवाना

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

धार्मिक आस्था और श्रद्धा से ओतप्रोत यात्रा का रात्रि विश्राम मांडलगढ़ नगर में सम्पन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने संत श्री बालयोगी बलरामपुरी जी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार प्रातः यात्रा मांडलगढ़ से लाडपुरा के लिए रवाना हुई। यात्रा प्रस्थान से पूर्व श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों ने संत श्री बालयोगी बलरामपुरी जी महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। भक्तों ने यात्रा की सफलता एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति भाव देखने को मिला। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने संत श्री का स्वागत

कर धार्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर समाजसेवी नंदलाल सेन, राधेश्याम सेन, छोटूलाल सेन, गोपाल सेन, एडवोकेट जमनालाल सेन, एडवोकेट निहाल सेन, राजकुमार सेन, बबलू सेन, राहुल सेन (लाडपुरा), कैलाश सेन, सांवरिया सेन, महावीर सेन, ओमप्रकाश सेन, देवेंद्र सेन सहित अनेक श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

यात्रा के सफल संचालन में समाज के लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई तथा श्रद्धालुओं ने संत श्री के सान्निध्य में धार्मिक कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त किया।

भारत विकास परिषद शाखा जालिया द्वितीय के निर्विरोध चुनाव संपन्न

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। भारत विकास परिषद शाखा जालिया द्वितीय के नवीन दायित्वधारियों का चुनाव प्रांतीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर गौतम कुमार कोठारी, सचिव पद पर भैरूलाल गुर्जर तथा कोषाध्यक्ष पद पर अनिल टेलर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

निर्वाचन की घोषणा के बाद उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रांतीय पदाधिकारियों ने परिषद के संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण के पंचसूत्र को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिला समन्वयक जितेंद्र पिपाड़ा, प्रांतीय कुटुंब प्रबोधन प्रभारी प्रवीण जैन, प्रांतीय संपर्क प्रभारी अजय सोमानी सहित सांवरलाल व्यास, सुनील कोठारी, रामदेव शर्मा, गोपाललाल व्यास, शिवराज थरोदा, अभिषेक शर्मा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की भावी योजनाओं एवं सेवा गतिविधियों पर चर्चा की गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का विश्वास दिलाया।

उपखण्ड अधिकारी ने किया जनगणना 2027 फील्ड कार्य का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। भारत की आगामी जनगणना 2027 के तहत स्थानीय स्तर पर चल रहे फील्ड कार्यों का उपखण्ड अधिकारी तानिया रिणवा ने आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने मुख्यालय क्षेत्र में तैयार किए जा रहे नजरी नक्शों, भवन सूचीकरण तथा मकान क्रमांकन कार्य का गहन अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर जाकर विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जा रहे मकान नंबरों का नजरी नक्शे एवं अभिलेखों के अनुसार मिलान कराया तथा वास्तविक स्थिति का आकलन किया। इस दौरान उन्होंने यह भी देखा कि प्रत्येक भवन एवं परिवार का विवरण सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है या नहीं।

उपखण्ड अधिकारी ने जनगणना पर्यवेक्षक दीप शिखा माहेश्वरी एवं परीक्षित चतुर्वेदी से क्षेत्रवार प्रगति की जानकारी ली। वहीं प्रगणक देवेंद्र सिंह कानावत एवं पीरू मोहम्मद मंसूरी द्वारा किए जा रहे फील्ड कार्य का भी निरीक्षण कर आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, इसलिए प्रत्येक जानकारी का संकलन पूरी सावधानी, पारदर्शिता एवं सटीकता के साथ किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान नजरी नक्शों में दर्शाए गए मकानों एवं वास्तविक रूप से मौजूद भवनों का मिलान किया गया। उपखण्ड अधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी जनगणना कार्य सुचारू रूप से संपादित हो सके। उन्होंने जनगणना कार्य में लगे कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि फील्ड स्तर पर की जा रही मेहनत भविष्य में तैयार होने वाले जनगणना आंकड़ों की गुणवत्ता निर्धारित करेगी। इसलिए सभी कार्मिक पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इस अवसर पर व्याख्याता मनोज शर्मा तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी राकेश योगी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी जनगणना कार्य की प्रगति का अवलोकन किया।

जनगणना 2027: उदयपुर में 95.76 प्रतिशत मकानों का सर्वे पूरा

22.77 लाख आबादी कवर, छूटे परिवारों से तत्काल सूचना देने की अपील, मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का प्रथम चरण 14 जून तक

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य तेजी से जारी है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल के निर्देशन में उदयपुर जिले में अब तक 95 प्रतिशत मकानों के सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। मकान सूचीकरण का प्रथम चरण 14 जून 2026 तक जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में जिले के शत-प्रतिशत नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला, तहसील एवं नगर निकाय स्तर पर शिकायत प्रकोष्ठ एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं।

जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ने बताया कि यदि जिले के किसी भी शहरी या ग्रामीण क्षेत्र में किसी मकान, प्रतिष्ठान, परिवार अथवा नागरिक तक अभी तक जनगणना प्रगणक या पर्यवेक्षक नहीं पहुंचे हैं, अथवा जनगणना से संबंधित कोई अन्य समस्या या शिकायत है, तो संबंधित नागरिक सीधे शिकायत प्रकोष्ठ में संपर्क कर अपनी प्रविष्टि दर्ज करा सकते हैं। जिला स्तर पर संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग कार्यालय, बेदला पुलिया के पास नियंत्रण कक्ष संचालित किया जा रहा है। नागरिक हेल्पलाइन नंबर 0294-2451384 पर भी संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा तहसील स्तर पर चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार तथा नगर निकाय क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी से भी संपर्क किया जा सकता है।प्रशासन ने जिलेवासियों से डिजिटल जनगणना अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति, परिवार, मकान या क्षेत्र सर्वेक्षण से छूट गया है तो इसकी तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते उसका सर्वे पूरा कराया जा सके।

95 प्रतिशत कार्य पूर्ण

जिले में प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अब तक अनुमानित 6.87 लाख मकानों में से 6.58 लाख मकानों (95 प्रतिशत) का सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। शेष कार्य भी 14 जून से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से जनगणना कार्य में सहयोग करने और सही जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि जिले की सटीक एवं विश्वसनीय जनगणना सुनिश्चित हो सके।

फैक्ट फाइल

जिले में अनुमानित कुल मकान - 6,87,456

सर्वे पूर्ण मकान - 6,58,286

मकान सर्वे प्रगति - 95.76 प्रतिशत

अनुमानित कुल जनसंख्या - 23,09,696

कवर की गई जनसंख्या - 22,77,249

जनसंख्या कवरेज - 98.60 प्रतिशत

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले उपखंड (मकान सर्वेक्षण)

खेरवाड़ा - 101.05 प्रतिशत

झाड़ोल - 100.66 प्रतिशत

सायरा - 100.28 प्रतिशत

सर्वाधिक जनसंख्या कवरेज

खेरवाड़ा - 112.70 प्रतिशत

सायरा - 110.49 प्रतिशत

झाड़ोल - 106.43 प्रतिशत

वंशिका गर्ग हत्याकांड पर फूटा जनाक्रोश, सकल जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

टोंक/टोडारायसिंह। वंशिका गर्ग हत्याकांड को लेकर मंगलवार को टोडारायसिंह में सकल जैन समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार राहुल पारीक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने तथा दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कठोर सजा दिलाने की मांग की गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व सरावगी समाज टोंक जिलाध्यक्ष संत कुमार जैन एवं अग्रवाल समाज अध्यक्ष महावीर प्रसाद कनोई ने किया। संत कुमार जैन ने कहा कि वंशिका गर्ग को न्याय दिलाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से मामले में त्वरित कार्रवाई कर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए न्याय की मांग को बुलंद किया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद कनोई, अशोक कुमार झंडा, राजेंद्र जैन भांवता, सुरेन्द्र कनोई, हनुमान सिंघल, धनराज सर्राफ, नीरज छाबड़ा, मुकुल जैन, जम्बू जैन, विलियम जैन, ओमप्रकाश अग्रवाल, भानू झंडा, हितेश अग्रवाल, चंद्रप्रकाश जैन, पारस जैन, अजय सर्राफ एवं अखिलेश जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

वंशिका गर्ग मृत्यु प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग: अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन

स्मार्ट हलचल | कोटा

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (पूर्वी राजस्थान)के प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग के आह्वान पर पूर्व युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमराज जिन्दल और कोटा जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंघल के नेतृत्व में आज जिला कलेक्टर, कोटा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु एडीएम सिटी विनोद कुमार मल्होत्रा सौंपा गया।

जिला महामंत्री रमेश चन्द्र गोयल ने बताया कि ज्ञापन में जयपुर के प्रताप नगर निवासी मनीष गर्ग की पुत्री वंशिका गर्ग की दिनांक 06 जून 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई है।

सम्मेलन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस दुःखद घटना को लेकर अग्रवाल समाज में गहरा आक्रोश एवं रोष व्याप्त है। घटना स्थल के संबंधित थाने में प्रकरण दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई ठोस एवं संतोषजनक कार्यवाही नहीं होने से समाज में असंतोष बढ़ रहा है। समाज को आशंका है कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है।

जिला उपाध्यक्ष एवं सवाई माधोपुर अग्रवाल समाज सेवा संस्थान कोटा के अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया कि राज्य सरकार से निम्न मांगें की हैं: वंशिका गर्ग मृत्यु प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष, समयबद्ध जांच करवाई जाए। दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाए। जांच की प्रगति की नियमित निगरानी कर पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि इस मामले में त्वरित कार्यवाही से समाज में कानून के प्रति विश्वास बना रहेगा। सम्मेलन को पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार इस गंभीर मामले में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ उचित कार्यवाही करेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंघल, जिला महामंत्री रमेश चन्द्र गोयल, पूर्व राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिन्दल,जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंघल, चेतन्य गोयल,टीकम अग्रवाल खांडवाला, रमेश चन्द्र गुप्ता हाड़ौती, भवानी शंकर गर्ग, विष्णु कांत गुप्ता, कन्हैया लाल, रवि कुमार सुरेश कुमार अग्रवाल राहुल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

स्वच्छ विद्यालय की दिशा में पहल, राउंड टेबल 281 ने सुधारी मूलभूत सुविधाएं

स्मार्ट हलचल | कोटा

सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए कोटा राउंड टेबल 281 द्वारा फ्रीडम थ्रु एजुकेशन परियोजना के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डीआईईटी परिसर, बृजराजपुरा-द्वितीय में छात्र एवं छात्राओं के शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण कराया गया। लगभग 2 से 3 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किए गए ।राउंड टेबल 281 के चेयरमैन सिद्धार्थ पोद्दार ने कहा कि परियोजना के तहत विद्यालय के बालक एवं बालिका दोनों शौचालय ब्लॉकों का व्यापक स्तर पर जीर्णोद्धार किया गया। नवीनीकरण कार्य से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। राउंड टेबल 281 के चेयरमैन सिद्धार्थ पोद्दार ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ एवं सम्मानजनक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन सारांश मित्तल, एरिया चेयरमैन धर्मवीर पंड्या, करण पंड्या, तरुण जैन एवं ऋषि जैन सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पंचकर्म लौटा रहा जटिल: कष्टसाध्य रोगियों के चेहरे पर मुस्कान- डॉ अंजना शर्मा

स्मार्ट हलचल | बूंदी

मंगलवार को आयुर्वेद विभाग कोटा संभाग की अतिरिक्त निदेशक डॉ अंजना शर्मा ने बालचंदपाडा स्थित राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी में संचालित सभी इकाइयों का गहनता से निरीक्षण कर चिकित्सालय प्रभारी डॉ सुनील कुशवाह से चिकित्सालय द्वारा आमजन को प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल से संचालित पंचकर्म विशिष्टता कैंद्र बूंदी में संचालित चिकित्सा शिविर में उपचाराधीन जटिल कष्टसाध्य रोगियों से पीड़ित रोगियों से फीडबैक प्राप्त किये। डॉ सुनील कुशवाह ने बताया कि इस शिविर में अब तक देश के 7 राज्यों के 21 जिलों के 4100 से अधिक रोगी लाभान्वित हो चुके हैं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय रोगियों के साथ साथ बड़ी संख्या में दूसरे जिलों से आकर उपचार करवा रहे ओस्टियोआर्थराइटिस, सिएटिका, तंत्रिका × मस्तिष्कजन्य विकार, पक्षाघात माइग्रेन, अनिद्रा,दृष्टि दोष आदि रोगों से पीड़ित रोगियों ने बताया कि पंचकर्म चिकित्सा द्वारा 5-7 दिनों में ही त्वरित × प्रभावी राहत मिली है।

अतिरिक्त निदेशक डॉ अंजना शर्मा ने बताया कि पंचकर्म चिकित्सा आयुर्वेद की विशिष्ट विधा है, जिसमें शरीर से रोगोत्पादक तत्वों को शरीर से बाहर निकालकर शरीर को निरोगी रखा जाता है। बूंदी का पंचकर्म विशिष्टता कैंद्र बूंदी अपनी प्रभावी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं × नवाचार तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते राजस्थान में माडल के रूप में जाना जाता है,इसी के चलते आयुष विभाग राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2025 का श्रेष्ठ चिकित्सालय का धनवंतरी पुरस्कार 'पंचकर्म विशिष्टता कैंद्र बूंदी' को मिला है। इस अवसर पर संभागीय अतिरिक्त निदेशक ने चिकित्सालय में रोगी सुविधाएं बढ़ाने के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की, जिनसे चिकित्सालय की कार्यक्षमता अगले 3 माह में 50% बढ़ जायेगी।

'उड़ान' प्रदर्शनी का पोस्टर विमोचित, महिला उद्यमी होंगी शामिल

उड़ान' प्रदर्शनी का पोस्टर विमोचित, महिला उद्यमिता को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

स्मार्ट हलचल | कोटा

महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जीतो लेडीज विंग, कोटा द्वारा आयोजित की जा रही राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी 'उड़ान - हर सपने को मिले अपना आसमान' के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन रेडक्रॉस के स्टेट चैयरमेन राजेश कृष्ण बिरला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने जीतो लेडीज विंग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर रितु जैन अजमेरा व उषा बाफना, ने बताया कि दो दिवसीय यह प्रदर्शनी 3 एवं 4 जुलाई 2026 को माहेश्वरी भवन, झालावाड़ रोड, कोटा में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से आयोजित होगी। प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से 150 से अधिक महिला उद्यमी भाग लेंगी और अपने नवाचारपूर्ण उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना, व्यापारिक नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

मंजु लुंकड़ ने कहा, ''उड़ान' केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि हर उस महिला के सपनों को साकार करने का माध्यम है जो अपने हुनर को नई पहचान दिलाना चाहती है। हमारा प्रयास है कि कोटा की महिलाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करें और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें।

जीतो लेडीज विंग की चीफ सेक्रेटरी रेखा जैन ने बताया कि प्रदर्शनी में छह राज्यों की महिला उद्यमी भाग लेंगी। यहां हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, ज्वेलरी, होम डेकोर, ऑर्गेनिक उत्पाद, फूड एवं फैशन से जुड़े आकर्षक स्टॉल्स लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से प्राप्त आय का उपयोग जरूरतमंद एवं नवोदित महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान करने के लिए किया जाएगा, जिससे वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें।

पोस्टर विमोचन के अवसर पर जेके जैन,विकास जैन अजमेरा,आर के जैन, चीफ सेक्रेटरी रेखा जैन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रितु जैन अजमेरा व उषा बाफना, उषा बागरेचा, वीना जैन, मीना जैन, रेणु जैन, नैना जैन सहित जीतो लेडीज विंग की कार्यकारिणी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

सहकारिता विभाग की पहल, किसानों को गांव में मिलेगी बैंकिंग सुविधा

माइक्रो एटीएम से किसानों को मिलेगी डिजिटल बैंकिंग की सुविधा : गिल

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन का सशक्त माध्यम बनेगा माइक्रो एटीएम :राठौड़

स्मार्ट हलचल | कोटा

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) के दिशा-निर्देशानुसार कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ में सीसीबी अधिकारियों, बैंककर्मियों एवं डेयरी अधिकारियों की संयुक्त बैठक संघ अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य दुग्ध उत्पादक समितियों में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं माइक्रो एटीएम के उपयोग को बढ़ावा देना था। बैठक में रजिस्ट्रार बलविंदर सिंह गिल,डेयरी प्रबंध निदेशक दिलखुश मीणा सहित बैंक,डेयरी के अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान 20 से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों के माइक्रो एटीएम बनाए गए तथा उन्हें डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार बलविंदर सिंह गिल ने कहा कि माइक्रो एटीएम ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को किसानों के द्वार तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से किसान अपने गांव में ही नकद जमा-निकासी, आधार आधारित भुगतान, बैलेंस जांच तथा अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और तकनीक का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादक किसानों को अब बैंकिंग सेवाओं के लिए बार-बार शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि माइक्रो एटीएम के माध्यम से उन्हें गांव स्तर पर ही नकद जमा-निकासी, आधार आधारित भुगतान तथा अन्य बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं सहकारिता विभाग डिजिटल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। माइक्रो एटीएम व्यवस्था से किसानों का समय और खर्च दोनों बचेंगे तथा बैंकिंग सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुलभ होगी।

बैठक में डेयरी समितियों में डिजिटल तकनीक के अधिकाधिक उपयोग, किसानों को जागरूक करने तथा माइक्रो एटीएम सेवाओं के विस्तार पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने किसानों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

सूरजपोल उप डाकघर नवीन भवन में स्थानांतरित

उदयपुर। शहर के सूरजपोल उप डाकघर को उसके वर्तमान परिसर बापू बाजार से स्थानांतरित कर मत्स्यकी महाविद्यालय परिसर स्थित नवीन भवन में संचालित किया जा रहा है। 3 जून 2026 से उप डाकघर की सभी सेवाएं नए परिसर से उपलब्ध हैं। डाक मंडल के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि सूरजपोल उप डाकघर की समस्त डाक, बचत, बैंक बीमा, आधार एवं अन्य डाकघर संबंधी सेवाएं नवीन परीसर में प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अपनी आवश्यक सेवाओं के लिए नए पते पर स्थित सूरजपोल उप डाकघर से सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रदेश की खुशहाली के लिए हरणी महादेव में विशेष पूजा-अर्चना आज

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रदेश में सुख, समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की मंगलकामना को लेकर बुधवार 10 जून को प्रातः 8 बजे श्री हरणी महादेव मंदिर में जिला स्तरीय विशेष पूजा-अर्चना एवं मंगलकामना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं लोकमंगल की कामना की जाएगी।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले एवं उपखंड स्तर पर चयनित मंदिरों में एक साथ धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। जिला मुख्यालय पर होने वाला मुख्य कार्यक्रम हरणी महादेव मंदिर में संपन्न होगा।कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं जिले के सभी उपखंड अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अशोक जाट प्रकरण में कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अशोक जाट प्रकरण में पुलिस थाना पुर द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीणों एवं आसपास के क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक महोदय, भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि अशोक जाट के साथ हुई घटना के बावजूद पुलिस थाना पुर द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे पीड़ित परिवार एवं क्षेत्र के लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो जनआंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान ग्राम पंचायत आटूण के पूर्व सरपंच लादूलाल जाट, ग्राम पंचायत गठीला खेड़ा प्रशासक प्रतिनिधि लक्ष्मण खारोल, भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र जाट, पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि भंवरलाल गाडरी, धर्मवीर सिंह पुरावत, मोहन जाट, गोपाल जाट, बख्तावर गाडरी, किशन जाट, रतन जाट, हेमराज जाट, लखन जाट, गोपाल वैष्णव, शंकर जाट, मांगीलाल जाट (सुवाणा), राजू सालवी, शंभू कटारिया, बालू जाट, किशन गाडरी, लक्ष्मण जाट (बरडोद), गोपाल जाट, राजू सुथार, विनोद जाट, गणेश जाट (देवली), सत्तू जाट, लक्ष्मण भाम्बी, विशाल सिंह, तेजमल गाडरी, भोना जाट, सुरेश जाट, रामपाल जाट, अनिल जाट, लवकुश जाट, कन्हैयालाल जाट, मांगीलाल खारोल, देवीलाल भील, सांवर जाट सहित कानोली खेड़ा एवं आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक महोदय से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाया जाए।

अखिल भारतीय जीनगर समाज महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय जीनगर समाज महासभा के संगठन विस्तार एवं समाज एकीकरण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को उदयपुर स्थित गुजरात समाज भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोकेश परमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में देशभर से आए समाज के प्रतिनिधियों, संस्थापक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। चित्तौड़गढ़ से संस्थापक सदस्य नवरतन जीनगर ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश एवं मां सरस्वती के पूजन-अर्चन तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अमर शहीद बीरबल सिंह ढालिया एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 'जय जीनगर समाज' के नारों से सभागार गूंज उठा तथा समाज में एकता, संगठन और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। बैठक में राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना की गई एवं जीनगर दिवस बनाने के लिए तिथि तय की गई, बालोतरा के पूर्व पार्षद श्रीमान गोविंद राम जी गोयल को राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोकेश परमार, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण सिसोदिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री टीकमदास चौहान, उदयपुर अध्यक्ष श्री हेमेन्द्र चौहान सहित समाज एकीकरण अभियान से जुड़े श्री महेश कुमार सोनगरा (टोंक), श्री ताराचंद सोलंकी (जोधपुर), श्री अनिल चौहान (झुंझुनूं), श्री दीनदयाल सोलंकी, श्री ताराचंद पंवार, श्री पन्नालाल चौहान, श्री रवि राठौड़ एवं चित्तौड़गढ़ से जीनगर समाज के नव नियुक्त राष्ट्रीय सलाहकार डॉ महेंद्र बालोत एवं चित्तौड़गढ़ जीनगर समाज के अध्यक्ष राजेश जीनगर सचिव नवरतन जीनगर कपासन के भवानी शंकर जीनगर भी मौजूद रहे अन्य गणमान्य पदाधिकारियों ने संगठन के विस्तार एवं समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी विस्तार के प्रथम चरण में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली तथा मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों की कार्यकारिणियों का गठन किया गया। नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने समाज हित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में यह भी कहा गया कि अखिल भारतीय जीनगर समाज महासभा का प्रमुख उद्देश्य समाज को संगठित कर शिक्षा, सामाजिक उत्थान, युवा सशक्तिकरण, रोजगार, सामाजिक समरसता एवं विकास के विभिन्न आयामों पर कार्य करना है। समाज के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक योजनाओं एवं कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। अंत में सभी उपस्थित प्रतिनिधियों ने समाज की एकता एवं संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

इतिहास के पन्नों में सिमटी 'रामगढ़ रणस्थली' को मिला सम्मान, कैबिनेट मंत्रियों और जनसैलाब ने दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/रायपुर। 'वीरों का बलिदान केवल इतिहास का गौरवशाली अध्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अमर संदेश है।' इसी भावना के साथ पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समारोह समिति-2026 द्वारा इस वर्ष के समारोह को व्यापक रूप देते हुए कई ऐतिहासिक नवाचार किए गए। इसी कड़ी में 7 जून 2026 को अजमेर-मेरवाड़ा के विस्मृत महापुरुषों और अमर शहीदों को नमन करने के लिए एक विशाल और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

1821 की अमर गाथा: इतिहास के पन्नों से बाहर आई रामगढ़ रणस्थली

समिति द्वारा इस वर्ष इतिहास के धुंधलके में खो चुकी ष्रामगढ़रणस्थली (जूनी रामगढ़) के गौरव को पुनः उजागर किया गया। यहाँ एक भव्य पेनोरमा बनवाने के उद्देश्य के साथ मुख्य कार्यक्रम नवगठित ग्राम पंचायत रामगढ़ (सेड़ोतान), रायपुर (जिला ब्यावर) में आयोजित हुआ। ज्ञात हो कि सन् 1821 में इसी पावन धरा पर अंग्रेजी सेना के विरुद्ध लोहा लेते हुए धवलढ के भोपत जी व खेता जी सेहड़ोत के नेतृत्व में 200 से अधिक वीरों ने स्वाभिमान, धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। इस संघर्ष में भोपत जी के सुपुत्र लाखा जी सहित 200 वीरों को अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जिनका आज तक कोई सुराग नहीं मिला। इस नमन कार्यक्रम में उपस्थित जनसैलाब ने मगरा मेरवाड़ा के इन वीर शहीदों के अद्वितीय शौर्य को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कैबिनेट मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्रियों सहित कई प्रमुख दिग्गजों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से: ओंकार सिंह लखावत (अध्यक्ष, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण), सुरेश सिंह रावत (माननीय कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार) माननीय अविनाश गहलोत (माननीय कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार) पृथ्वीसिंह (विश्व हिंदू परिषद), शंकर सिंह रावत(विधायक, ब्यावर),डॉ. धर्मेंद्र सिंह रावत लामाणा (संयोजक, जन्मोत्सव समिति),कमला चौहान (प्रधान, रायपुर) व गणपत सिंह रावत (प्रधान, जवाजा),राम सिंह बूटीवास (अध्यक्ष, हिन्दू महासभा) सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ग्रामीणों और पूर्व सैनिकों का जताया आभार

मंच का कुशल संचालन घेवर सिंह जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेन्दड़ा सरपंच रतन सिंह भाटी, झालाकी चौकी सरपंच रमेशसिंह, और रामगढ़ सेड़ोतान के पूर्व सैनिक आदरणीय पाचूसिंहजी चौहान (नेताजी), सूबेदार मदन सिंह, घेवर सिंह, दिलीप सिंह, रामेश्वर सिंह सहित संपूर्ण रामगढ़ सेड़ोतान वासियों का अतुलनीय सहयोग रहा।

जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष व सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेमसिंह चौहान और संयोजक धर्मेंद्र सिंह रावत (लामाना) ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी क्षेत्रवासियों का आभार और अभिनंदन व्यक्त किया।

सावर में आंधी, तूफान व ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर नगरपालिका क्षेत्र में सोमवार शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच आए तेज आंधी, तूफान एवं ओलावृष्टि ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दीं। अचानक बदले मौसम के चलते कई किसानों के कुओं पर लगे सोलर पम्पों के सोलर पैनल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवाओं के साथ आए तूफान ने खेतों में स्थापित सोलर संयंत्रों को बुरी तरह प्रभावित किया। कई स्थानों पर सोलर पैनल टूटकर बिखर गए तो कहीं उनके स्टैंड और ढांचे भी क्षतिग्रस्त हो गए। सोलर पम्प सिंचाई का प्रमुख साधन होने के कारण किसानों को अब फसलों की सिंचाई को लेकर भी चिंता सताने लगी है।

क्षेत्र के किसानों ने बताया कि सोलर पैनलों की मरम्मत एवं पुनः स्थापना में काफी खर्च आएगा। पहले से मौसम की मार झेल रहे किसानों के लिए यह नुकसान किसी बड़े झटके से कम नहीं है। आंधी और ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों एवं किसानों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे करवाकर वास्तविक नुकसान का आकलन करने तथा किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है। वहीं शाम को आए तूफान के कारण क्षेत्र में कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित रहा और लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

के आर देवता ने दी प्रस्तुति, श्रीराम महायज्ञ के तहत जागरण संपन्न

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। कनवाड़ा स्थित गणेश जी की बावड़ी में नव कुंडात्मक श्रीराम महायज्ञ के तहत बीती रात एक जागरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध राजस्थानी कलाकार के आर देवता ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

के आर देवता की प्रस्तुति सुनने के लिए पंडाल में हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। उनकी कलाकारी और मंच संचालन ने दर्शकों को आकर्षित किया। यह कार्यक्रम देर रात तक चला, जिसमें भक्ति और मनोरंजन का मिश्रण देखने को मिला। जागरण में अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं।

भजन गायक भरत धाकड़ (बीजवाड़) और महावीर धाकड़ (तीतरिया) ने भजन प्रस्तुत किए। पूजा राजस्थानी (कोटा) और सोनू सैनी (भीलवाड़ा) ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए, जबकि कॉमेडियन मुकेश छैला ने दर्शकों का मनोरंजन किया। गणेश मित्र मंडल के सदस्यों ने बताया कि श्रीराम महायज्ञ की पूर्णाहुति आज होगी। इसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हो जाएगा। क्षेत्र के भक्त आज महायज्ञ में शामिल होकर धार्मिक लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजकों ने जागरण को सफल बनाने के लिए सभी कलाकारों, क्षेत्रवासियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्यावर के विकास को रफ्तार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4705.90 करोड़ की वार्षिक साख योजना मंजूर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ब्यावर जिले के विकास और वित्तीय समावेशन को गति देने के लिए सोमवार को जिला सभागार में जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा समिति) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कमल राम मीना की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले की 4705.90 करोड़ रुपये की संशोधित वार्षिक साख योजना को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (मार्च 2026) के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर श्री मीना ने सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। उन्होंने जिले के सभी बैंकर्स को सख्त निर्देश दिए कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले हर हाल में पूरा किया जाए।

लंबित लोन आवेदनों पर संवेदनशील रवैया अपनाने के निर्देश

जिला कलेक्टर ने बैंकों में लंबित पड़े ऋण और अन्य आवेदनों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बैंकर्स को सकारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने इन मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा ताकि आमजन और लाभार्थियों को समय पर आर्थिक मदद मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी विभागों और बैंकर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

री-केवाइसी में तेजी और कृषि विकास पर जोर

बैठक में मौजूद भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर के सहायक महाप्रबंधक मनीष मांडल ने बैंक खातों में री-केवाईसी की धीमी प्रगति पर चर्चा की और लंबित मामलों को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए।

वहीं, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आशीष जैन ने कृषि क्षेत्र की मजबूती पर जोर देते हुए कृषि अवसंरचना के विकास और विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव व दिशा-निर्देश साझा किए।

बैंकिंग नेटवर्क और सीडी अनुपात की समीक्षा

बैठक की शुरुआत और संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक राजेश कुमार परमार ने किया। उन्होंने ब्यावर जिले के संपूर्ण बैंकिंग नेटवर्क, बैंक शाखाओं के साख-जमा अनुपात, पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धियों तथा एनपीए खातों की वर्तमान स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के समापन पर बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रमुख टी.एस. शेखावत ने जिला कलेक्टर सहित सभी विभागों के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

विजयनगर में होने वाले विप्र महाकुंभ को लेकर सावर में बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा एवं विप्र फाउंडेशन के तत्वावधान में 17 जून को विजयनगर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठापना समारोह एवं विप्र महाकुंभ को लेकर सावर स्थित भगवान कल्याण महाराज मंदिर में ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजजनों को महाकुंभ में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए विप्र फाउंडेशन जोन अजमेर के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय संत प्रखर महाराज की प्रेरणा से विजयनगर कृषि मंडी प्रांगण में विप्र समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 200 से 300 बच्चों सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों का वैदिक रीति-रिवाजों से यज्ञोपवीत संस्कार कराया जाएगा।

केकड़ी एमएलडी ग्रुप के चंदू बाबू शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें घोड़े, हाथी, रथ एवं मांगलिक कलश शामिल रहेंगे। उन्होंने समाज के लोगों से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने एवं विप्र फाउंडेशन की सदस्यता ग्रहण करने का आह्वान किया।

बैठक में रमेश त्रिवेदी, सत्यनारायण शर्मा, रामलक्ष्मण शर्मा, रमेश पाराशर, राजेश शर्मा, किशन बल्लभ पारीक, राजू पारीक, अनिल शर्मा, रामगोपाल कंपाउंडर, पंकज कुमार नायक सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। सावर से महाकुंभ में भाग लेने के लिए दो बसों की व्यवस्था करने की भी रणनीति बनाई गई।

डीएपी, यूरिया खाद संकट से परेशान किसानों को तत्काल राहत देने की मांग

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच क्षेत्र के किसानों को डीएपी एवं यूरिया खाद की कमी और बढ़ती कीमतों की दोहरी मार झेल रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर निंबाहेड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सम्पत धाकड़ एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक ने समाचार पत्रों के माध्यम से सरकार का ध्यान किसानों की समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की है। दोनों कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि कार्यों की तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं, लेकिन किसानों को आवश्यक खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खाद की कमी के कारण किसानों को बुवाई सहित अन्य कृषि कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आगामी कृषि उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सम्पत धाकड़ एवं भोपराज टांक ने कहा कि किसान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं तथा अन्नदाता की आवश्यकताओं की पूर्ति करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वर्तमान में अनेक स्थानों पर किसानों को खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है, वहीं कई किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने से निराश लौटना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में सरकार को खाद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

दोनों नेताओं ने खाद की लगातार बढ़ती कीमतों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि डीजल, बीज, मजदूरी और कृषि कार्यों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक सामग्री की लागत पहले ही बढ़ चुकी है। ऐसे में खाद के बढ़ते दाम किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहे हैं।

ब्यावर में आज सजेगी चौपाल: किसानों को मिलेगी संजीवनी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। कृषि क्षेत्र से जुड़े किसानों, उपभोक्ताओं और व्यापारियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के लिए बुधवार, 10 जून को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन होने जा रहा है। कृषि उपज मण्डी समिति, ब्यावर के तत्वावधान में यह बैठक सुबह 11:00 बजे मण्डी सभागार में आयोजित की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि विपणन विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी धरातल तक पहुँचाना है।

एक ही छत के नीचे मिलेगी इन प्रमुख योजनाओं की जानकारी:

मण्डी समिति सचिव के अनुसार, बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं: राइजिंग राजस्थान और ई-नाम परियोजना 2.0, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना एवं कृषक उपहार योजना, महात्मा ज्योतिबा फुले मण्डी श्रमिक कल्याण योजना, नए एफपीओ का गठन, ग्रेडिंग एवं ऑयल टेस्टिंग मशीन संचालन, सावित्री बाई फुले महिला सशक्तिकरण योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और सुरक्षा बीमा योजना।

स्पॉट फाइलिंग की मिलेगी सुविधा

इस बैठक की सबसे खास बात यह होगी कि इसमें केवल योजनाओं की थ्योरी नहीं समझाई जाएगी, बल्कि मौके पर ही पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और स्पॉट फाइलिंग (ऑन-द-स्पॉट फॉर्म भरना) की जानकारी भी दी जाएगी। इससे किसानों और व्यापारियों को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी और वे तुरंत योजना का लाभ उठा सकेंगे।

सचिव की अपील:

मण्डी समिति सचिव ने ब्यावर जिले के सभी किसानों, उपभोक्ताओं, व्यापारियों और इच्छुक ग्रामीणों से आग्रह किया है कि वे बुधवार सुबह 11 बजे मण्डी सभागार पहुँचकर इस बैठक का हिस्सा बनें और सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

बाडियां के बालाजी मंदिर में बनेगा 10 लाख रुपए का सार्वजनिक छायागृह

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। कस्बे के सवाईपुर रोड स्थित प्रसिद्ध बाडियां के बालाजी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विधायक कोष से 10 लाख रुपए की लागत से सार्वजनिक छायागृह का निर्माण कराया जाएगा। लंबे समय से मंदिर परिसर में छायागृह निर्माण की मांग की जा रही थी। जिसे अब स्वीकृति मिलने के बाद मूर्त रूप दिया जाएगा।

छायागृह निर्माण के लिए बुधवार को आचार्य ब्राह्मण सेवा समिति भीलवाड़ा के जिला अध्यक्ष बद्रीलाल आचार्य के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर निर्माण स्थल का चयन एवं भूमि चिन्हित की। इस दौरान उपस्थित जनों ने निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए इसे शीघ्र प्रारंभ कराने पर जोर दिया। समाजजनों ने बताया कि बाडियां का बालाजी मंदिर क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक आस्थाओं का केंद्र है जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के दौरान भी बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में छायागृह का निर्माण होने से श्रद्धालुओं को धूप, गर्मी एवं वर्षा से राहत मिलेगी तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान कोटड़ी आचार्य समाज अध्यक्ष सत्यनारायण आचार्य, संरक्षक चांदमल आचार्य, देवीलाल आचार्य, मदनलाल आचार्य, युवा अध्यक्ष मुकेश आचार्य, कोषाध्यक्ष कैलाशचंद्र आचार्य, रामस्वरूप आचार्य, राजेंद्र आचार्य, पुखराज आचार्य मौजूद थे।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के साथ हो रहा अन्याय-जाड़ावत

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत रियायती गैस सिलेंडरों की वार्षिक सीमा 9 से घटाकर 4 करना गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ अन्याय है। यह निर्णय साबित करता है कि केंद्र सरकार को आमजन की परेशानियों और महंगाई से जूझ रहे परिवारों की कोई चिंता नहीं है।

जाड़ावत ने कहा कि एक ओर रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार गरीब महिलाओं को मिलने वाली राहत में कटौती कर रही है। उज्ज्वला योजना का उद्देश्य महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाना और उन्हें स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना था, लेकिन अब रियायती सिलेंडरों की संख्या कम कर सरकार स्वयं अपने उद्देश्य से पीछे हटती दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वर्ष में केवल चार रियायती सिलेंडर पर्याप्त नहीं हैं। इससे लाखों परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और कई परिवार पुनः पारंपरिक ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हो सकते हैं। यह निर्णय गरीब महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है।

पूर्व राज्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बड़े-बड़े विज्ञापनों और प्रचार के माध्यम से गरीब हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर लिए जा रहे निर्णय गरीबों को राहत देने के बजाय उनकी परेशानियां बढ़ाने वाले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते घरेलू खर्चों के बीच यह फैसला आमजन के साथ अन्याय है।

मंडावर के लाल ललित ने पावरलिफ्टिंग में लहराया परचम, दो गोल्ड मेडल जीतकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

शेरू क्लासिक इंडियन पावरलिफ्टिंग लीग रीजनल-2026 में शानदार प्रदर्शन, अब दिल्ली में करेंगे राजस्थान का प्रतिनिधित्व

स्मार्ट हलचल

मंडावर। खेल प्रतिभाओं की धरती मंडावर के युवा खिलाड़ी ललित कुमार जांगिड़ ने अपनी मेहनत, लगन और मजबूत इरादों के दम पर एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अलवर में आयोजित शेरू क्लासिक इंडियन पावरलिफ्टिंग लीग रीजनल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ललित ने जूनियर वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतकर मंडावर सहित पूरे दौसा जिले को गौरवान्वित किया है।

रविवार को डॉ. आर.के. सिंह फार्मेसी कॉलेज, अलवर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच मंडावर क्षेत्र के एस.के. फिटनेस के छात्र ललित कुमार जांगिड़ पुत्र राधेश्याम जांगिड़ ने अपनी ताकत और तकनीक का शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया।

प्रतियोगिता के दौरान ललित ने डेडलिफ्ट स्पर्धा में 140 किलोग्राम तथा बेंच प्रेस में 90 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जैसे ही परिणाम घोषित हुए, खेल परिसर में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।

कड़ी मेहनत और अनुशासन का मिला फल

ललित की सफलता के पीछे उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कोच के मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही है। पिछले कई महीनों से वे नियमित रूप से प्रशिक्षण लेकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे थे। उनकी इस उपलब्धि ने क्षेत्र के युवाओं को यह संदेश दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है।

एस.के. फिटनेस में हुआ भव्य स्वागत

प्रतियोगिता से लौटने पर मंडावर स्थित एस.के. फिटनेस में ललित कुमार का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर खेल प्रेमियों, युवाओं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें माला पहनाकर एवं साफा बांधकर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि ललित ने अपनी मेहनत से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे मंडावर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

अब दिल्ली में दिखाएंगे दम

ललित के कोच श्रीकांत मीना ने बताया कि इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर ललित का चयन आगामी सप्ताह दिल्ली में आयोजित होने वाली शेरू क्लासिक इंडियन पावरलिफ्टिंग लीग के लिए हुआ है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में वे राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। कोच ने विश्वास जताया कि ललित दिल्ली में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए पदक जीतने में सफल रहेंगे।

क्षेत्र में खुशी की लहर

ललित की इस उपलब्धि से मंडावर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, मित्रों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। युवाओं का कहना है कि ललित की सफलता क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और खेलों के प्रति नई ऊर्जा पैदा करेगी।

पवनसुत गोशाला में हरा चारा खिलाया

गंगरार। उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित पवन सुत गोपाल गोशाला में क्षेत्रीय विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ की प्रेरणा से भाजपा के वरिष्ठ नेता भाजयुमो पूर्व मंडल महामंत्री लालुराम अहीर द्वारा गो माता को हरी घास खिलाकर गो सेवा की।

भाजपा मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा के तुलसीराम अहीर द्वारा पवनसुत गोपाल गोशाला में दो ट्रोली हरी ग्रास गो माता को खिलाकर गो सेवा की। इस पर पवनसुत गौपाल गौशाला के पदाधिकारीयों द्वारा लालुराम अहीर का उपरना ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व पंचायत समिति सदस्य शांतिलाल माली, समाजसेवी लक्ष्मीलाल मीणा, बूथ अध्यक्ष सुनिल लोढा, सत्यप्रकाश शर्मा, नरेन्द्र सिंह ढोडा, राजेश काकाणी, व्यापार मण्डल अध्यक्ष गोपाल शर्मा, भूपेन्द्र सिंह शेखावत, अशोक कोचीटा, किसान नेता तुलसीराम अहीर आदि सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं गोशाला के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आबा बिरसा मुंडा

कुमार कृष्णन

बिरसा मुंडा अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओह्ल का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया । ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा।

बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी षुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनबरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खुटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।

बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्त्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पङ रही है।

संपादकीय

प्रतिरोध के तेवर

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

सूक्ति

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
– रविन्द्रनाथ टैगोर

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दख़ल देती है।
– हरिशंकर परसाई

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा

एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

कॉफी पाउडर– 1 पैकेट या 2 चम्मच

चीनी– आधा कप

पानी– आधा कप

दूध– 1 कप

क्रीम– आधा कप

चॉकलेट चिप– आधा कप

वैनिला एसेंस– आधा कप

होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6–8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2–3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय–कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे–धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5–10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार–बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

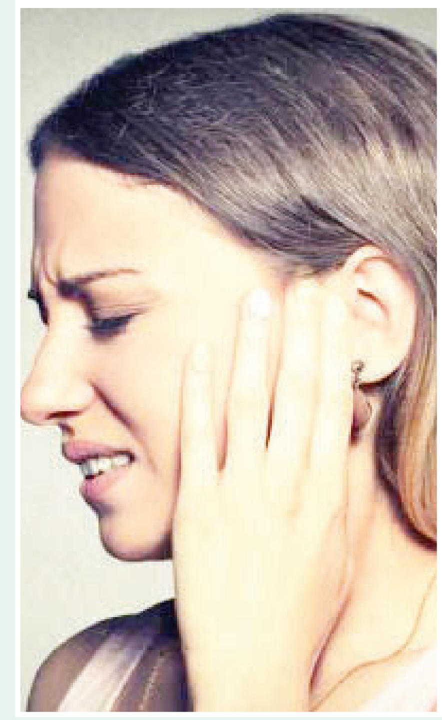

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस–पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है. आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड–बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com